राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 12 नवंबर 2025

वर्ष 16, अंक 62, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

हाई कोर्ट ने खारिज की अवैध मतांतरण की एफआईआर, सरकार पर लगाया 75 हजार का हर्जाना...03

विवादों में घिरी सनी देओल की फिल्म 'सूर्या', एक्टर ने प्रोड्यूसर्स पर लगाए ये आरोप..04

जिसके आगे गिड़गिड़ाता है पाकिस्तान, वही कर रहा भारत को सलाम, ED की तारीफ कर कहा- कुछ तो सीखो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग को रोकने वाली इंटरनेशनल संस्?था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) ने भारतीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (Enforcement Directorate - ED) की तारीफ की है. FATF ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों को ईडी से सीखना चाहिए कि किस तरह से मनी लॉन्ड्रिंग पर रोक लगाई जाए और क्रिमिनल केस में में एसेट्स की रिकवरी की जाए. यह वही FATF है, जिसके सामने पाकिस्तान की हेकड़ी गुम रहती है. पाकिस्तान मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग के लिए पूरी दुनिया में कुख्यात है. FATF ऐसे देशों को विभिन्न क्लासीफाइड कैटेगरी में डालता रहता है, जिससे संबंधित देशों की इकनॉमी पर बुरा असर पड़ता है. विदेशी निवेश प्रभावित होता है. FATF के कड़े प्रतिबंधों से बचने के लिए पाकिस्तान इस ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन के सामने मेमियाता रहता है. अब उसी संस्था ने भारत की जांच एजेंसी ईडी की तारीफ की है.

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय निगरानी संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) ने बुधवार 5 नवंबर 2025 को एक नई रिपोर्ट जारी करते हुए अपराध से अर्जित संपत्तियों की जब्ती और उन्हें पीड़ितों को वापस दिलाने में भारत के प्रयासों की सराहना की है. FATF की यह रिपोर्ट 'Asset Recovery Guidance and Best Practices' के नाम से प्रकाशित हुई है, जिसमें खासतौर पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) की तेज और प्रभावी कार्रवाई को प्रमुख उदाहरण के रूप में शामिल किया गया है. विश्व स्तर पर मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्त पोषण पर नजर रखने वाली FATF ने कहा कि भारत ने आपराधिक मामलों में अवैध संपत्तियों का पता लगाने, उन्हें फ्रीज़ करने, जब्त करने और समाज के हित में उपयोग करने के लिए एक मजबूत व्यवस्था विकसित की है. रिपोर्ट में कहा गया है कि श्वष्ठ ने घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक अपराधों के मामले में देश से भागे अपराधियों के खिलाफ विशेष सक्रियता दिखाई है.

340 पेज की रिपोर्ट

ED की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि FATF की 340 पृष्ठों वाली इस रिपोर्ट में व्यावहारिक उपाय सुझाए गए हैं, जिनसे विभिन्न देशों को अपराध से जुड़े धन की पहचान करने, उसे ट्रैक करने और पीड़ितों को वापस संबंधित संपत्तियां लौटाने में सहायता मिलेगी. बयान के मुताबिक, यह गाइडेंस नीति निर्माताओं और प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक मानक है, जिससे वे अपनी राष्ट्रीय रणनीति को बेहतर बना सकें और वैश्विक बेस्ट प्रैक्टिस के अनुसार कार्य कर सकें. रिपोर्ट में कहा गया है कि ED ने क्रिप्टो करेंसी धोखाधड़ी, साइबर अपराध और पोंजी स्कीम जैसे मामलों में बेहद तेजी से कार्रवाई की है. FATF ने बताया कि कई मामलों में अपराधी विदेश भाग गए थे, लेकिन ED ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से उनकी संपत्तियों को या तो जब्त कर लिया या फ्रीज़ किया.

महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक मामले का उल्लेख

FATF की रिपोर्ट में एक प्रमुख उदाहरण महाराष्ट्र की एक सहकारी बैंक में पब्लिक फंड की कथित हेराफेरी से जुड़ा है. FATF ने बताया कि इस मामले में ED की कार्रवाई के बाद जब्त की गई संपत्तियां अब एक बड़े पब्लिक प्रोजेक्ट के लिए उपयोग की जा रही हैं. इन जमीनों को नए हवाई अड्डे के निर्माण स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है. रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम समाज के व्यापक हित में संपत्ति वापसी का उदाहरण है. FATF के अनुसार, भारत ने जिन संपत्तियों को जब्त किया है, उन्हें केवल दंडात्मक कदम के रूप में नहीं देखा जा रहा, बल्कि उन्हें सार्वजनिक हित और विकास कार्यों से भी जोड़ा जा रहा है. यह वैश्विक स्तर पर एक उल्लेखनीय मॉडल है.

लालटेन का केरोसिन बेचकर अब राशन हजम करने की तैयारी में, योगी का महागठबंधन पर तीखा प्रहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार चुनाव के पहले चरण के मतदान के ठीक बाद राष्ट्रीय जनता दल-कांग्रेस पर ऐसा तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग लालटेन की केरोसिन बेचकर बिहार को अंधेरे में झोंकते थे, वही अब फिर आपका राशन हजम करने के लिए आए हैं।

महागठबंधन पर जमकर साधा निशाना

रक्सौल से भारतीय जनता दल (भाजपा) प्रत्याशी प्रमोद कुमार सिन्हा और नरकटिया से जदयू प्रत्याशी विशाल कुमार को जिताने की अपील करते हुए योगी ने महागठबंधन पर तीखे प्रहार किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को अब जंगलराज नहीं, बल्कि सुशासन और समृद्धि की राह पर बढ़ाना है और यह काम केवल एनडीए की डबल इंजन सरकार ही कर सकती है।

एनडीए का सुशासन बनाम महागठबंधन का जंगलराज

योगी ने कहा कि यह चुनाव सुशासन बनाम जंगलराज का है। बिहार को 1990 से 2005 के बीच जातीय संघर्ष, नरसंहार, अपहरण और डकैती के दौर में झोंकने वाले अब फिर नई पैकिंग में वोट मांगने निकले हैं। याद करिए ना, यह वही लोग हैं जिन लोगों ने लालटेन की धुंधली लाइट में बिहार में जातीय संघर्ष करवाया था। यह वही लोग हैं, जो लालटेन की केरोसिन को बेच करके अंधेरा करते थे, फिर घरों में डकैती भी डालते थे।

UP मॉडल बिहार में भी लाना, बोले योगी

योगी ने कहा ' एनडीए सरकार में बिहार ने विकास की नई उड़ान भरी है। आज यहां सड़क, रेल, एयर कनेक्टिविटी, मेट्रो, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल संस्थान और एम्स तक हैं। सुशासन और सुरक्षा की नींव पर ही निवेश आता है, और निवेश से ही रोजगार पैदा होते हैं। उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए योगी ने कहा ' हमने यूपी में 8 साल में 8.5 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी, 2 करोड़ से अधिक को स्व-रोजगार से जोड़ा। अब नौजवान पलायन नहीं करते, क्योंकि रोजगार घर के पास है और यही मॉडल बिहार में भी लाना है।'

जो लोग पहले चारा खा गए, अब राशन खाने निकले हैं

विपक्ष पर प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग पहले चारा खा गए, अब राशन खाने आए हैं। यह वही लोग हैं जिन्होंने नौजवानों को बेरोजगारी और अपराध के अंधेरे में धकेला। अब फिर जातीय नफरत और लूट का राज वापस लाना चाहते हैं। लेकिन बिहार की जनता अब समझदार है। वह विकास और विरासत के साथ खड़ी है।

अब मोहम्मद यूनुस का होगा तख्तापलट! शेख हसीना की एक चाल से बांग्लादेश में उबाल, किले में तब्दील हुआ ढाका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांग्लादेश में हुए छात्र आंदोलन के विद्रोह में बदल जाने के बाद जब से अगस्त, 2024 में शेख हसीना ने देश छोड़ा, तब से आज तक इस देश में बहुत कुछ बदल गया लेकिन स्थायित्व नहीं आ पाया. बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने पूर्व पीएम रह चुकीं शेख हसीना के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई पूरी कर ली और 13 नवंबर को इस पर फैसला भी आने वाला है. दिलचस्प है कि इसी तारीख को शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी ने ढाका लॉकडाउन का कार्यक्रम भी तय किया है.

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर इस वक्त अंदरूनी दबाव बढ़ा हुआ है. जहां शेख हसीना की पार्टी ढाका में लॉकडाउन के जरिये जमीन पर वापसी का मन बना रही है, वहीं चुनाव का दबाव और जेन जी का असंतोष भी नोबल पुरस्कार विजेता रह चुके यूनुस की गद्दी खिसकाते नजर आ रहे हैं. ऐसे में ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के सोर्सेज के मुताबिक शहर के 142 महत्वपूर्ण स्थानों पर 7000 पुलिसकर्मियों की ड्रिल कराई गई. इस दौरान मोहम्मद यूनुस के घर को पूरी छावनी में तब्दील कर दिया गया. इस बात की तैयारी हो रही कि इस प्रदर्शन को किसी तरह से नियंत्रित किया जा सके.

शेख हसीना की चाल से बवाल

खुद शेख हसीना तो अगस्त, 2024 में ही देश के बिगड़ते हालात और अपनी जान को खतरा देखकर भारत चली आई थीं. तब से वे दिल्ली में ही कड़ी सुरक्षा के बीच रह रही हैं. उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि उन्हें यहां सुरक्षित महसूस होता है. इस बीच बांग्लादेश मे उन पर राष्ट्रद्रोह समेत कई मामले दर्ज हुए और उन्हें दोषी भी करार दिया गया लेकिन शेख हसीना इससे इनकार करती रहीं. वहीं वे बांग्लादेश के हालात पर भी चिंता जाहिर करती हैं कि वहां कट्टरपंथियों का राज चल रहा है. अब शेख हसीना की भंग हो चुकी अवामी लीग चुनाव का ऐलान होने के साथ ही राजनीति में अपनी जमीन तलाश रही है, जिसकी राह में पहला कदम ये ढाका लॉकडाउन कार्यक्रम है. मोहम्मद यूनुस इसे बिल्कुल हल्के में नहीं ले रहे हैं और ढाका के चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सेना की तैनाती की जा रही है.

बांग्लादेश में चुनाव कब?

सेना और जनता के काफी दबाव के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने घोषणा की है कि देश में अगला आम चुनाव 2026 के शुरुआती महीनों में खासतौर पर अप्रैल 2026 के पहले हिस्से में होगा. पहले यह सोचा गया था कि फरवरी 2026 में हो सकते हैं, जिसके बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी नाराज है क्योंकि वे इसी साल दिसंबर में चुनाव चाहते थे. वे मोहम्मद यूनुस पर देश की आकांक्षाओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगा रहे हैं. सेना भी लगातार यूनुस पर चुनाव को लेकर दबाव बना रही थी. इसी बीच शेख हसीना की पार्टी का आक्रामक रुख भी उनके लिए चुनौती है. उनका डर इसी बात से समझा जा सकता है कि वे अपने आवास की किलेबंदी सबसे पहले कर रहे हैं.

संक्षिप्त ख़बरें

चीन में गुरु नानक देव की शिक्षाओं से गूंजा दूतावास, स्वर्ण मंदिर के रागी भाई मनिंदर सिंह शंघाई में सम्मानित

शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत (सीजी) प्रतीक माथुर ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से आए रागी - भाई मनिंदर सिंह जी से बृहस्पतिवार को मुलाकात की और उनका अभिनंदन किया। शंघाई स्थित वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सीजी माथुर ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के शुभ अवसर पर अमृतसर के श्री दरबार साहिब (स्वर्ण मंदिर) के प्रख्यात रागी भाई मनिंदर सिंह जी से मुलाकात की।'' सिख संगीतकार रागी, गुरु ग्रंथ साहिब के पदों का कीर्तन करते हैं। माथुर ने कहा, ''गुरुपर्व पर हार्दिक बधाई देने और लेने की यह परंपरा गुरु जी के एक ओंकार, समानता, ईमानदार जीवन और मानवता के प्रति निस्वार्थ सेवा के शाश्वत संदेश को प्रतिबिंबित करता है।'' पोस्ट में कहा गया है, ''सीजी ने भाई साहिब की शंघाई यात्रा के लिए आभार व्यक्त किया और सरबत दा भला (सभी का कल्याण) के सिख मूल्यों को फैलाने में उनके वैश्विक प्रयासों की सराहना की।''

भारत से दक्षिण अफ्रीका जा रहे जहाज पर समुद्री डाकुओं का हमला, सोमालिया तट के पास फेंका रॉकेट

सोमालिया के तट के निकट भारत से दक्षिण अफ्रीका जा रहे एक जहाज पर हमलावरों ने मशीनगन और रॉकेट चालित ग्रेनेड से हमला किया। ब्रिटिश सेना के समुद्री व्यापार परिचालन केंद्र ने हमले के संबंध में अलर्ट जारी किया तथा क्षेत्र में मौजूद जहाजों को चेतावनी दी। निजी सुरक्षा फर्म 'एम्ब्रे' ने भी बताया कि हमला जारी है, जिसमें भारत से दक्षिण अफ्रीका के डरबन जा रहे, माल्टा के ध्वज वाले टैंकर को निशाना बनाया गया। एम्ब्रे ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह सोमाली समुद्री डाकुओं द्वारा किया गया हमला था, जिनके बारे में बताया गया है कि वे हाल के दिनों में इस क्षेत्र में सक्रिय थे और जिन्होंने कथित तौर पर एक ईरानी नाव को जब्त कर लिया था। ईरान ने हालांकि मछली पकड़ने वाली नाव को जब्त किये जाने की बात स्वीकार नहीं की है। पिछले वर्ष की तुलना में सोमाली समुद्री डाकुओं के हमले फिर से तेज हो गए हैं, जिसका एक कारण यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध को लेकर लाल सागर गलियारे में हमले शुरू करने से उत्पन्न असुरक्षा का माहौल भी है।

सीजेआई गवई की केंद्र को फटकार, कहा- सरकार इस बेंच से बचने के लिए तरकीबें अपना रही है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर को केंद्र सरकार द्वारा ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को संविधान पीठ को सौंपने के आवेदन पर कड़ी आपत्ति जताई. मालूम हो कि इन याचिकाओं पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की पीठ पहले से ही सुनवाई कर रही है. रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई गवई और जस्टिस चंद्रन की पीठ ने कहा, 'हमें यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि केंद्र सरकार ऐसा रुख अपना रही है. हमें इस तरह की 'रणनीति' केंद्र सरकार द्वारा अपनाने की उम्मीद नहीं थी.' ज्ञात हो कि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग ट्रिब्यूनलों के अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा शर्तें तय की जाती हैं. पीठ ने इस मामले में मुख्य याचिकाकर्ता मद्रास बार एसोसिएशन सहित विभिन्न याचिकाकर्ताओं की ओर से अंतिम दलीलें पहले ही सुन ली हैं. पीठ ने यह भी कहा कि इन मामलों में कार्यवाही 2021 से लंबित थी, लेकिन केंद्र सरकार ने अचानक 1 नवंबर को ही इन याचिकाओं को पांच जजों की संविधान पीठ को भेजने का आवेदन दायर कर दिया.

लाइव लॉ के अनुसार, एक दिन पहले केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पीठ को बताया था कि सरकार ने मामले को वर्तमान पीठ के बजाय पांच न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष ले जाने के लिए एक आवेदन दायर किया है. मुख्य न्यायाधीश की 'तरकीब' वाली टिप्पणी पर अटॉर्नी जनरल ने कहा, 'बहुत सम्मान के साथ, कृपया इसे गलत न समझें.' इस पर मुख्य न्यायाधीश ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा, 'एक पक्ष को पूरी तरह सुनने के बाद आपने निजी कारणों से सुनवाई टालने का अनुरोध किया था, क्योंकि आप आकर बहस करना चाहते थे. हम केंद्र सरकार से ऐसी तरकीब अपनाने की उम्मीद नहीं करते हैं.' मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह इस मामले को तभी किसी बड़ी पीठ को भेजेगी जब उसे इसमें कोई दम नज़र आएगा. मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'हम इस आवेदन को इस टिप्पणी के साथ खारिज करते हैं कि केंद्र सरकार पीठ से बचने की कोशिश कर रही है.'

शीर्ष अदालत ने सुनवाई 7 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी है.

लाइव लॉ ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ ने पहले कहा था कि कई सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायाधिकरणों में नियुक्तियां स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि उन्हें उचित सुविधाएं प्रदान नहीं की जाती हैं. गौरतलब है कि मद्रास बार एसोसिएशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने 4 नवंबर की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय का ध्यान आईटीएटी और कैट जैसे न्यायाधिकरणों में नियुक्तियों के मुद्दे की ओर आकर्षित किया और कहा कि अक्सर मेरिट सूची को भंग कर दिया जाता है और नए सिरे से चयन किया जाता है.

अखिलेश से मिले आजम खान, बोले - 'मैं जंगलराज में नहीं जाना चाहता', जेल से लौटे नेता ने सियासत में मचा दी हलचल!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान ने शुक्रवार को लखनऊ में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। यह मुलाकात करीब 45 मिनट तक चली, जिसमें आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में आजम खान ने बिहार विधानसभा चुनाव और अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह अब भी 'जिंदा और मजबूत' हैं, लेकिन 'जंगलराज' में नहीं जाना चाहते।

'मैं जंगलराज में नहीं जाना चाहता' - बिहार चुनाव पर आजम का बयान

बिहार चुनाव में प्रचार को लेकर पूछे गए सवाल पर आजम खान ने कहा कि जाना चाहता हूं, पर असुरक्षित नहीं जाना चाहता। जंगलराज में नहीं जाना चाहता। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में बादशाह से लेकर वजीर तक कह रहे हैं कि वहां जंगलराज है। जंगल में इंसान नहीं रहते। अगर मैं वहां अकेला चला गया तो शायद लौट न सकूं। मैं जबरदस्ती रेल की पटरी पर सिर नहीं रखूंगा। आजम खान ने यह भी कहा कि लोगों का कहना है बिहार में बदलाव आने वाला है – 'लोग कहते हैं तो ठीक ही कहते होंगे।'

'हमारे समाज का हाल वही है, मेरा वादा अब भी कायम है'

आजम खान ने अपने जीवन के हालात बताते हुए कहा कि मेरे घर में कल भी जनरेटर नहीं था, आज भी नहीं है। और जब तक मेरे समाज के हर व्यक्ति के घर में जनरेटर नहीं होगा, मैं अपने घर में नहीं रखूंगा। उन्होंने कहा कि 50 साल की राजनीति के बाद भी वह अपनी सादगी नहीं छोड़ेंगे। मैं बस यह बताने आया था कि आज भी इस धरती पर कुछ लोग जिंदा हैं, जिनकी सहनशक्ति किसी पत्थर या पहाड़ से कम नहीं।

'अगर मैं लिखने बैठ गया तो कोई पढ़ नहीं पाएगा' - जेल के अनुभव पर आजम

जेल में बीते समय पर सवाल पूछे जाने पर आजम खान ने कहा कि अगर मुझे वक्त मिला कि मैं कुछ लिख सकूं, तो दावे से कहता हूं – आप पढ़ नहीं पाएंगे। अखिलेश यादव से दूरी के सवाल पर उन्होंने भावुक होकर कहा कि अब दिल ही कहां रह गया है... कई लोग मुझसे मिलने के बाद रोए हैं। अब हम बिना दिल के काम कर रहे हैं।

'तनखइया' से लेकर 'मुर्गी चोरी' तक का तंज

आजम खान ने अपने ऊपर दर्ज मामलों पर तंज कसते हुए कहा कि अगर तनखइया कहने पर मेरी सदस्यता जा सकती है, अगर मुर्गी चोरी के आरोप में 21 साल की सजा और 30 लाख का जुर्माना हो सकता है, तो दूसरे लोग क्यों माहौल खराब कर रहे हैं?

यूपी: फीस को लेकर प्रिंसिपल द्वारा कथित तौर पर अपमानित किए गए छात्र ने खुद को आग लगाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- यूपी के मुजफ्फरनगर में बुढ़ाना के एक डिग्री कॉलेज छात्र ने शनिवार (8 नवंबर) सुबह एक कक्षा के अंदर खुद को आग लगा ली और गंभीर रूप से घायल हो गए. बीए द्वितीय वर्ष के छात्र का आरोप है कि कॉलेज के प्रिंसिपल ने फीस न चुकाने को लेकर उन्हें लगातार परेशान किया. उन्होंने एक नोट में कहा कि उन्हें सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा किया गया क्योंकि 1,700 रुपये का भुगतान करने के बाद भी 7,000 रुपये बकाया थे. हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ित 20 वर्षीय छात्र पास के एक गांव का रहने वाला है, जिसने डीएवी पीजी डिग्री कॉलेज परिसर में यह आत्मघाती कदम उठाया और 70% से ज़्यादा जलने की हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उन्हें पहले एक स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, फिर मेरठ रेफर कर दिया गया और बाद में चोटों की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया. अखबार के अनुसार, कथित तौर पर उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके बाद उन्होंने शनिवार दोपहर यह कदम उठाया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में उन्हें आग की लपटों में घिरा हुआ दिखाया गया है. छात्र ने प्रिंसिपल पर शारीरिक उत्पीड़न और सार्वजनिक अपमान का आरोप लगाया छात्र कई दिनों से तानों और गालियों का शिकार हो रहा था. खुद को आग लगाने से पहले उन्होंने दो दिन पहले एक वीडियो बयान और एक हस्तलिखित नोट जारी किया था, जिसमें उन्होंने

प्रिंसिपल प्रदीप कुमार पर 'शारीरिक उत्पीड़न और सार्वजनिक अपमान' का आरोप लगाया था. उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन ने सज़ा के तौर पर उसका परीक्षा फॉर्म स्वीकार करने से इनकार कर दिया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रिंसिपल ने 'सबके सामने' उनका अपमान किया और कहा कि 'यह कॉलेज कोई धर्मशाला नहीं है.' प्रिंसिपल पर गाली-गलौज, उनके बाल खींचने और पिटाई करने का भी आरोप है. उन्होंने एक वीडियो में कथित तौर पर कहा, 'प्रिंसिपल प्रदीप कुमार ने मुझे अपने कार्यालय में बुलाया और मुझसे 5,000 रुपये फीस जमा करने को कहा. मैंने उनसे कहा कि मैंने परीक्षा फीस ऑनलाइन जमा कर दिया है और जैसे ही मेरे पिता को मिल से गन्ने का भुगतान मिलेगा, मैं ट्यूशन फीस जमा कर दूंगा. उन्होंने मुझे गालियां दीं, मेरे बाल पकड़े और मुझ पर हमला किया. वह मुझे कॉलेज के गेट तक ले गए और फिर से मेरे साथ मारपीट की.' छात्र ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन ने कथित तौर पर पुलिस को बुलाया और तीन पुलिसकर्मियों ने भी उन्हें 'गाली-गलौज की और धक्का देकर' परिसर से बाहर निकाल दिया. उन्होंने आगे कहा, 'मैंने पहले भी उन गरीब और असहाय छात्रों के लिए आवाज़ उठाई थी जो समय पर अपनी फीस नहीं भर पा रहे थे. मुझे इसकी सज़ा मिली. कॉलेज (प्रबंधन) ने पुलिस बुला ली. मुझे उनके सहयोग की उम्मीद थी, लेकिन पुलिसकर्मियों - धर्मवीर (सिंह), नंद किशोर और विनीत (कुमार) ने मेरा अपमान किया और मुझे धमकाया.' उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर वह आत्महत्या करते हैं, तो इसकी ज़िम्मेदारी प्रिंसिपल और तीन पुलिसकर्मियों की होगी. इस घटना के बाद छात्रों और स्थानीय लोगों ने कॉलेज के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रिंसिपल के खिलाफ केस

छात्र की बहन की शिकायत के आधार पर बुढ़ाना पुलिस ने डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल के खिलाफ बीएनएस की धारा 352 (हमला) और 351(3) (गंभीर नुकसान पहुंचाने की धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है.

शनिवार देर शाम ज़िला मजिस्ट्रेट उमेश मिश्रा और ज़िला पुलिस प्रमुख, एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने कॉलेज का दौरा किया और गहन जांच के आदेश दिए।

मुज़फ़्फ़रनगर के एसपी संजय कुमार ने बताया कि छात्र द्वारा नामजद तीन पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है.

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, तीनों पुलिसकर्मियों पर अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है।

प्रिंसिपल कुमार ने आरोपों से इनकार किया और दावा किया कि उन्होंने छात्र को केवल उनकी बकाया फीस के बारे में याद दिलाया था।

यूक्रेन युद्ध से वैश्विक संकट की आहट तबाही सन्निकट

रूस-यूक्रेन युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व के लिए संभावित विनाश का संकेत बन चुका है। यह युद्ध आधुनिक सभ्यता के सामने एक ऐसी चुनौती प्रस्तुत कर रहा है जिसमें मानवीय संवेदनाएँ, वैश्विक शांति और राजनीतिक संतुलन सब कुछ दांव पर लगा हुआ है। रूस की बौखलाहट, अमेरिका और नाटो देशों के हस्तक्षेप के साथ मिलकर इस युद्ध को तीसरे विश्वयुद्ध की दहलीज़ पर ला खड़ा कर चुकी है। रूस ने अमेरिका को खुले शब्दों में चेताया है कि यदि पश्चिमी देश इसी तरह यूक्रेन की आर्थिक और सामरिक मदद करते रहे तो उसे परमाणु या जैविक हथियारों के प्रयोग पर विवश होना पड़ सकता है। यह चेतावनी केवल शब्दों का खेल नहीं बल्कि आने वाले संकट का संकेत है, क्योंकि कीव पर हाल में किए गए रूस के बमवर्षक हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुतिन अब अपनी हार छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक संबोधन में कहा था कि रूस और चीन का सीमा-विहीन गठबंधन वैश्विक शांति के लिए अत्यंत खतरनाक है। यदि पुतिन, शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के बीच यह रणनीतिक गठबंधन गहराता गया तो विश्वयुद्ध की संभावना को टाला नहीं जा सकेगा। सोरस के अनुसार यह संघर्ष अगर अनियंत्रित हुआ तो हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और यह युद्ध समस्त मानवीय मूल्यों को मलबे में बदल देगा। पुतिन और शी जिनपिंग ने अपने हालिया संयुक्त बयान में स्पष्ट कर दिया था कि उनके संबंधों और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। यह बयान एक नई ध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत है जिसमें चीन और रूस एक साथ पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देने की तैयारी में हैं। पुतिन ने शी जिनपिंग को यूक्रेन पर विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी पहले ही दे दी थी, जिससे स्पष्ट है कि यह सब एक सुनियोजित रणनीति के अंतर्गत हुआ था। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की कार्रवाई का विरोध किया, वहीं युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवारों ने भी देश के भीतर असंतोष प्रकट किया है। यूक्रेन पर आक्रमण के समय पुतिन को यह भ्रम था कि यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा-भाषी नागरिक उनका समर्थन करेंगे, परंतु हुआ इसके ठीक विपरीत–उन्होंने यूक्रेन पर हमले की निंदा करते हुए रूस से नाता तोड़ लिया। यह पुतिन के लिए सबसे बड़ा झटका था जिसने उनके आत्मविश्वास को हिला दिया। अब उन्हें यह एहसास होने लगा है कि उन्होंने एक ऐतिहासिक भूल की है और इसी कारण वे संघर्ष-विराम की संभावनाएं तलाशने में जुटे हैं, किंतु वर्तमान परिदृश्य में विश्व समुदाय का विश्वास रूस से उठ चुका है। अब स्थिति यह बनती जा रही है कि या तो पुतिन अपनी राजनीतिक विफलता स्वीकार कर पद छोड़ दें या फिर चीन के सहयोग से इस संघर्ष को और गहराकर विश्व युद्ध की दिशा में ले जाएँ। रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक लगभग तीस लाख करोड़ रुपए तक निगल चुका है और इसका अंत अभी दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता। अमेरिका और नाटो देशों ने यूक्रेन को लगातार हथियार, आर्थिक सहायता और युद्धक रणनीतियाँ मुहैया कराकर उसे एक मज़बूत प्रतिरोधक शक्ति में बदल दिया है। इस सहायता से यूक्रेन न केवल टिक रहने में सफल रहा है बल्कि उसने रूस के कई मोर्चों पर पलटवार भी किया है। दूसरी ओर, रूस के सैनिकों और कमांडरों का मनोबल टूटने लगा है, जबकि रूसी नागरिकों में युद्ध के खिलाफ असंतोष बढ़ता जा रहा है। अब यूक्रेन के पास न धन की कमी है, न हथियारों की। उसके नागरिक अपने राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ पूरी निष्ठा और उत्साह से खड़े हैं। हालांकि युद्ध की विभीषिका भयंकर है – मारियोपोल जैसे शहरों में इमारतों के मलबे के नीचे से सैकड़ों शव निकाले जा रहे हैं, जिससे वहां मानवता कराह रही है। लगभग एक करोड़ यूक्रेनी नागरिक पोलैंड और अन्य यूरोपीय देशों में शरणार्थियों की तरह जीवन बिता रहे हैं। यूरोपीय देश उन्हें हर संभव सहायता दे रहे हैं और यह संघर्ष अब केवल युद्ध का नहीं बल्कि मानवीय अस्तित्व का भी बन चुका है। इस युद्ध की आंच अब एशिया-प्रशांत क्षेत्र तक फैलने लगी है। चीन और रूस के गठबंधन के खतरे को देखते हुए अमेरिका ने जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के साथ टोक्यो सम्मेलन में सैन्य-रणनीतिक गठबंधन मजबूत करने का निर्णय लिया है। क्वाड जैसे संगठन चीन की विस्तारवादी नीतियों का प्रतिरोध कर रहे हैं। अमेरिका ने 13 देशों का एक आर्थिक समुदाय गठित कर चीन को वैश्विक व्यापारिक योजनाओं से अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चीन अब लद्दाख सीमा पर अपनी सैन्य गतिविधियाँ बढ़ाकर भारत को दबाव में लाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भारत सहित प्रशांत क्षेत्र के देश सतर्क हैं और संयुक्त रूप से इस नए भू-राजनीतिक खतरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका और पश्चिमी देश अब चीन-रूस गठबंधन को वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा मान रहे हैं और विश्व को इनके विरुद्ध एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध अब एक ऐसा दर्पण बन गया है जिसमें आधुनिक विश्व की नैतिकता, शक्ति और सभ्यता का चेहरा दिखाई दे रहा है। यदि यह युद्ध अनियंत्रित हुआ तो न केवल यूरोप बल्कि एशिया और अमेरिका तक इसके परिणाम पहुँचेंगे। इसलिए अब केवल एक ही विकल्प शेष है – इस युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का सामूहिक प्रयास। जॉर्ज सोरस का कथन बिल्कुल सार्थक प्रतीत होता है कि 'मानव सभ्यता को बचाने का सर्वोत्तम और एकमात्र तरीका है पुतिन को हराना और युद्ध को समाप्त करना।' आज विश्व राजनीति का हर मोर्चा, हर राष्ट्र, हर कूटनीति इस निर्णय के सामने खड़ा है कि क्या हम शांति को बचाने के लिए एकजुट होंगे या अहंकार, शक्ति और स्वार्थ के कारण अपनी ही सभ्यता को मिटा देंगे। समय साक्षी है कि परमाणु और जैविक हथियारों की धमकी के साये में मानवता बहुत देर तक नहीं टिक सकती। यदि यह युद्ध अब भी नहीं थमा, तो अगली सुबह शायद इतिहास नहीं लिखी जाएगी। यही समय है जब विश्व को अपनी सामूहिक बुद्धि, विवेक और करुणा से निर्णय लेना होगा, वरना यह युद्ध सभ्यता की अंतिम कहानी बन जाएगा।

संजीव ठाकुर

जब सास और बहू साथ चलते हैं, तो घर एक मंदिर बन जाता है

सास का स्नेह और बहू की समझ — घर को स्वर्ग बनाने का मंत्र

जब अनुभव मिलता है नई सोच से — जन्म लेता है एक खुशहाल घर

एक घर तब तक घर नहीं बनता, जब तक उसकी दीवारों में सास-बहू का प्यार न गूंज उठे। यह वाक्य कोई काल्पनिक कहानी का हिस्सा नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों की सदियों से चली आ रही जीवंत सच्चाई है। बाहर की दुनिया इस रिश्ते को अक्सर झगड़ों, तनावों और दूरियों का पर्याय मानती है, लेकिन अंदर की हकीकत कुछ और ही बयान करती है। जब सास और बहू के बीच सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह शुरू होता है, तो पूरा परिवार एक मजबूत धागे में बंध जाता है। यह रिश्ता केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो पीढ़ियों, दो संस्कारों, दो सपनों और दो जीवन-अनुभवों का अनोखा संगम है। सास घर की रक्षक देवी समान है - वर्षों की तपस्या से अर्जित ज्ञान, परंपराओं की अमूल्य निधि, घर की जीवंत आत्मा और हर विपदा में अटल ढाल। वहीं बहू नवीन प्रभात की किरण बनकर आती है - ताज़ा विचारों की बयार, उमंग भरी ऊर्जा, नई आशाओं की झलक और बदलते युग की संवेदनशील समझ। जब ये दोनों एक-दूसरे की ताकत बनती हैं, तो घर सिर्फ चार दीवारों का ढांचा नहीं रहता; वह एक अभेद्य किला बन जाता है, जो हर आंधी, हर तूफ़ान का सामना कर सकता है। भारतीय संस्कृति में परिवार कोई साधारण इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत परंपरा है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती है। संयुक्त परिवार की व्यवस्था में सास-बहू का रिश्ता केंद्रबिंदु होता है। क्या कोई परिवार बिना मजबूत महिला बॉन्ड के लंबे समय तक एकजुट रह सकता है? इसका जवाब स्पष्ट और तर्कपूर्ण है - बिल्कुल नहीं। बच्चे मां और दादी दोनों से सीखते हैं - मां से आधुनिकता, दादी से संस्कार। पति-पत्नी का रिश्ता इन दो महिलाओं की समझदारी पर टिका होता है। घर की खुशहाली, आर्थिक स्थिरता, भावनात्मक संतुलन - सब कुछ इसी केमिस्ट्री पर निर्भर करता है। सास का अनुभव बहू के लिए मार्गदर्शन है, न कि आदेश। बहू की नई सोच सास के लिए प्रेरणा है, न कि चुनौती। जब दोनों एक-दूसरे के स्थान, भूमिका और योगदान का सम्मान देती हैं, तो टकराव की कोई गुंजाइश नहीं बचती। सम्मान इस रिश्ते की पहली और सबसे मजबूत सीढ़ी है। एक सास जो बहू की नौकरी को 'घर की जिम्मेदारी से भागना' नहीं, बल्कि 'परिवार की आर्थिक और सामाजिक मजबूती' मानती है, वही सास घर की असली मालकिन होती है। वह समझती है कि आज की बहू सिर्फ घर संभालने वाली नहीं, बल्कि घर चलाने वाली शक्ति है। दूसरी ओर, बहू जो सास के अनुभव को 'पुराना' नहीं, बल्कि 'परीक्षित ज्ञान' मानती है, वही परिवार की सच्ची वारिस बनती है। समझ भावनाओं की भाषा है। सास को याद रखना चाहिए कि वह भी कभी बहू थी - नई-नई दुल्हन, नए घर की घबराहट, नए रिश्तों की उलझन। बहू को समझना चाहिए कि सास का डर 'घर टूटने' का नहीं, 'परंपरा खोने' का है। वह नहीं चाहती कि जो उसने दशकों में बनाया, वह एक झटके में उजड़ जाए। इस केमिस्ट्री को मजबूत बनाने के कुछ सुनहरे नियम हैं, जो हर घर में लागू किए जा सकते हैं। पहला, सीमाएं तय करें, लेकिन प्यार से। बहू की निजता का सम्मान करें, सास की सलाह का स्वागत करें। दूसरा, एक-दूसरे की तारीफ करें, और वह भी खुलकर, सबके सामने। 'आज का खाना लाजवाब था' या 'तुमने घर को इतना सुंदर बनाया' - इन छोटी बातों में बड़ा जादू है। तीसरा, गलतियों को माफ करें, लेकिन सीखें। कोई भी परफेक्ट नहीं होता। चौथा, परंपरा और आधुनिकता का मेल करें। पांचवां, बच्चों को बीच में न लाएं। पोते-पोतियों को दोनों का प्यार मिले, किसी एक का नहीं। छठा, छोटी-छोटी खुशियां बांटें। सास की पसंदीदा साड़ी बहू पहने, बहू का पसंदीदा गाना सास सुने। सातवां, साथ में नई चीजें सीखें। योगा क्लास, कुकिंग वर्कशॉप, टिकटॉक डांस या गार्डनिंग - जो भी दोनों को पसंद आए। संवाद खामोशी का सबसे बड़ा इलाज है। सबसे बड़ी गलती यही है कि हम मन की बात मन में ही दबाकर रखते हैं। 'कह दूंगी तो बुरा मान जाएगी' या 'सुन लूंगी तो घर में बखेड़ा हो जाएगा' - ये सोच रिश्ते को धीरे-धीरे जहर देती है। समाधान सरल है - हर हफ्ते 15 मिनट का 'चाय टाइम'। कोई फोन नहीं, कोई टीवी नहीं, कोई तीसरा व्यक्ति नहीं। सिर्फ दो कप गर्म चाय, दो कुर्सियां और दो खुले दिल। चुनौतियां आती हैं, लेकिन हर चुनौती का समाधान भी छिपा होता है। पहली चुनौती - ईर्ष्या का भाव। बहू को लगता है, 'सास बेटे को मुझसे ज्यादा प्यार करती है।' समाधान? सास, बहू के सामने बेटे की तारीफ करे - 'देखो, कितना अच्छा पति बना है।' बहू, सास के सामने पति की - 'मांजी, आपके संस्कारों की वजह से ही वो इतने अच्छे हैं।' इससे 'मेरा बेटा' से 'हमारा बेटा' का भाव आता है। दूसरी चुनौती - घर के काम का बंटवारा। 'सास सब कुछ खुद करती हैं, मुझे कुछ करने नहीं देतीं।' या 'बहू कुछ करती ही नहीं।' समाधान - जिम्मेदारियों की लिखित लिस्ट। सास रसोई की मालकिन, बहू बजट और खरीदारी की मैनेजर। दोनों की विशेषज्ञता का सम्मान। तीसरी चुनौती - पीढ़ीगत अंतर। सास को नई टेक्नोलॉजी समझ नहीं आती, बहू को पुरानी रीतियां बोरिंग लगती हैं। समाधान - 'एक्सचेंज प्रोग्राम '। बहू सास को वॉट्सऐप सिखाए,

सास बहू को दादी मां की कहानियां या आचार बनाना। जब सास-बहू एकजुट होकर खड़ी होती हैं, तो परिवार की नींव हिलने की बजाय और मजबूत हो जाती है। बच्चे संस्कारों की जड़ें गहरी करते हुए आधुनिकता की उड़ान भरते हैं। पति का मन हल्का हो जाता है - अब उसे 'दोनों के बीच फंसने' की तनावपूर्ण जंग नहीं लड़नी पड़ती। समाज में यह जोड़ी मिसाल बनती है; पड़ोसन की बहू उत्सुकता से पूछती है, 'आपकी सास तो कमाल की हैं, इतनी कूल कैसे?' महिला सशक्तिकरण नई ऊंचाइयां छूता है - दो महिलाएं मिलकर घर को आर्थिक रूप से अजेय किला बनाती हैं। यह रिश्ता कोई जादू की छड़ी नहीं, बल्कि धैर्य, समझ और प्यार की तीन मजबूत डोरियों से बुनी गई साधना है। यह केमिस्ट्री सिर्फ दो दिलों को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को एक अटूट धागे में पिरोती है। अगर आप बहू हैं, तो आज ही सास को गले लगाकर कहें, 'आपके बिना यह घर सूना है।' अगर सास हैं, तो बहू को प्यार भरी मुस्कान देते हुए कहें, 'तुम इस घर की चमकती रोशनी हो।' यही वह अमर बॉन्ड है, जो हर तूफान में परिवार को जोड़े रखता है - न टूटन के लिए, बल्कि हर चुनौती में और चमकदार बनने के लिए!

कृति आरके जैन

21वीं सदी का विश्व:मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं के स्थान पर घातक हथियारों की व्यवस्था में व्यस्त

आज का विश्व जिस दिशा में अग्रसर है, वह मानवता की मूल प्राथमिकताओं से दूर होता जा रहा है। जहाँ कभी 'रोटी, कपड़ा और मकान' मानव जीवन की अनिवार्य आवश्यकताएं मानी जाती थीं, आज उनकी जगह 'टैंक, मिसाइल और परमाणु हथियार' ने ले ली है। यह मानवता की एक गहरी विडम्बना है कि भूख, गरीबी, पर्यावरण संकट, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन जैसी ज्वलंत समस्याओं को अनदेखा कर, वैश्विक शक्तियाँ अपने संसाधनों का अत्यधिक हिस्सा हथियारों की होड़ में लगा रही हैं।स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व का कुल सैन्य बजट 2.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर चुका है, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अमेरिका, चीन, रूस, भारत, और सऊदी अरब इस सूची में शीर्ष पाँच प्रमुख देश हैं। अकेले अमेरिका ने विश्व के कुल रक्षा व्यय का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा खर्च किया है। इसके विपरीत, संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम की रिपोर्ट बताती है कि आज भी लगभग 70 करोड़ लोग पर्याप्त और सुरक्षित भोजन से वंचित हैं। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र की अन्य रिपोर्टें यह बताती हैं कि विश्व की लगभग एक-तिहाई आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और करीब 1.6 अरब लोगों को पक्के मकान या सुरक्षित निवास स्थान की आज भी सुविधा नहीं मिल पाती।21वीं सदी में युद्ध और सशस्त्र संघर्ष केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे एक वैश्विक 'व्यवसाय' बन चुके हैं।घातक हथियार निर्माता और निर्यातक आज अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर गहरा प्रभाव डालने वाली शक्तियाँ बन गई हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इज़राइल-हमास युद्ध, तथा ईरान -इजराइल, अमेरिका-चीन, भारत-पाकिस्तान, पाकिस्तान-अफगानिस्तान, दक्षिण-उत्तर कोरिया सहित अन्य कई देशों के मध्य तनावों ने इस उद्योग को नया उत्प्रेरक बना दिया है। जहाँ एक ओर युद्ध और आतंकवाद से पीड़ित लोग अपने घर, जीवन और आजीविका खो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हथियार कंपनियों के शेयर बाजार में रिकार्ड बढ़त दर्ज हो रही है। यह सुरक्षा के नाम पर भय और लाभ का खतरनाक गठजोड़ बन चुका है।विकसित और विकासशील दोनों श्रेणी के देशों में रक्षा बजट तीव्रता से बढ़ रहा है, जबकि स्वास्थ्य, शिक्षा, और पर्यावरण संरक्षण के लिए आवंटित धन तुलनात्मक दृष्टि से हर साल घटता जा रहा है। अविकसित और गरीब देशों में जहां लाखों लोग अभी भी शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, और रोजमर्रा की जीवन निर्वाह की मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, वहीं रक्षा खर्चों में निरंतर वृद्धि इस बात का संकेत देती है कि क्या यह देश सही दिशा में संसाधनों का निवेश कर रहे हैं?मानव सभ्यता का असली विकास सहयोग, सह-अस्तित्व और साझा प्रगति में निहित है। लेकिन आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को विनाश के उपकरणों और सैन्य तकनीकों में निवेश किया जा रहा है। जो देश सामरिक दृष्टि से सशक्त हैं, वे नये-नये घातक हथियार विकसित कर अपने वैश्विक प्रभुत्व को बढ़ाने में लगे हैं, जबकि वे देश जो हथियार निर्माण की क्षमता नहीं रखते, वे महंगे हथियारों की खरीद में उलझे हैं, और जिनके लिए खरीदना भी संभव नहीं, वे अपने आप को शक्तिशाली देशों की सुरक्षा छांव में सौंप रहे हैं फिर भले ही उन्हें भारी आर्थिक एवं राजनीतिक कीमत चुकानी पड़े। यथार्थ में, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुटेरेस की यह बात हृदयस्पर्शी है लगती है कि 'हम भूख और असमानता से लड़ने के बजाय, युद्ध और हथियारों की तैयारी में व्यस्त हैं। यह मानवता की असली हार है। 'इस सन्दर्भ में मानव को अपनी प्राथमिकताओं का पुनः मूल्यांकन करना होगा- जीवन के साथ मानवता की सुरक्षा या विनाश का समर्थन? यदि विश्व समुदाय अपने सैन्य व्यय का मात्र 10 प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा, और खाद्य सुरक्षा के लिए आवंटित करे, तो भूख और गरीबी लगभग समाप्त हो सकती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य है कि वर्तमान में नाटो जैसे प्रमुख सैन्य गठबंधनों में रक्षा बजट बढ़ाने की प्रक्रिया पर चर्चा चल रही है। विज्ञान और तकनीक का सही उपयोग मानव जीवन के संरक्षण और सुधार के लिए किया जाना चाहिए, न कि विनाश के लिए। 'रोटी, कपड़ा और मकान' की जगह 'रॉकेट, गोला-बारूद और मिसाइलों' को प्राथमिकता देना मानवता की दिशा बदल देने वाली भूल है। यह भूल जितनी शीघ्र सुधारी जाएगी, उतना ही मानवता के लिए लाभकारी होगा। क्योंकि हथियार कभी शांति नहीं ला सकते; वे केवल असुरक्षा और भय को गहरा करते हैं। मानव सभ्यता को यह सीखना होगा कि सच्ची प्रगति हथियारों में नहीं, बल्कि संस्कारों और मानवता के मूल्यों में है।

डा मनमोहन प्रकाश

संपादकीय

हिमालय की बर्फ नहीं, भविष्य पिघल रहा है

हिमालय की छाती पर जलवायु परिवर्तन का घाव

'विश्व की छत' दरक रही है — क्या हम अब भी मौन रहेंगे?

'जब हिमालय की बर्फ पिघलती है, तो केवल ग्लेशियर नहीं, हमारी सभ्यता की जड़ें हिल जाती हैं।' हिमालय, भारत की जीवनरेखा, आज अभूतपूर्व संकट के मुहाने पर खड़ा है। वैज्ञानिकों की चेतावनी गूंज रही है: अगले दस वर्षों में 1000 से अधिक हिमनद (ग्लेशियर) पूरी तरह लुप्त हो सकते हैं। इसका दंश सिर्फ बर्फीले शिखरों तक नहीं रुकेगा–गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां, जो करोड़ों लोगों की प्यास बुझाती हैं, सूखने की कगार पर हैं। सवाल गहरा है: क्या 2035 तक उत्तर भारत पानी के लिए तड़पेगा? यह महज चेतावनी नहीं, बल्कि एक आसन्न तबाही की दस्तक है। हिमालय, जिसे 'विश्व की छत' कहा जाता है, दक्षिण एशिया की जलवायु और जल संसाधनों का आधारस्तंभ है। इसके ग्लेशियर, जो गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों को जीवन देते हैं, भारत की कृषि, पेयजल और उद्योगों की रीढ़ हैं। मगर ग्लोबल वॉर्मिंग की आग में ये बर्फीले पहाड़ तेजी से पिघल रहे हैं। एक हालिया अध्ययन चीख-चीखकर बता रहा है कि हिमालय के ग्लेशियर 20वीं सदी की तुलना में दोगुनी रफ्तार से गायब हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय जलवायु वैज्ञानिकों की रिपोर्ट और साफ चेतावनी देती है: यदि कार्बन उत्सर्जन पर तुरंत लगाम नहीं लगाई गई, तो 2035 तक हिमालय के एक तिहाई से अधिक ग्लेशियर लुप्त हो जाएंगे। यह महज आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि एक भयावह भविष्य की आहट है। गंगा और यमुना, जो उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की जीवनरेखा हैं, पहले ही जल संकट से जूझ रही हैं। गंगा का जलस्तर कई स्थानों पर ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है। ग्लेशियरों के पिघलने से पहले बाढ़ का कहर बरपेगा, फिर ये नदियां सूखकर रेगिस्तान की धूल बन जाएंगी। इसका परिणाम? खेती तबाह, पेयजल संकट और आजीविका का विनाश। यह चेतावनी नहीं, बल्कि आने वाली तबाही का शंखनाद है। हिमालय की गोद में बसी उत्तर भारत की अर्थव्यवस्था और संस्कृति नदियों की धड़कन पर टिकी है। गंगा के तट पर बसे हरिद्वार, वाराणसी, कानपुर, पटना जैसे शहर न केवल आस्था और संस्कृति के केंद्र हैं, बल्कि लाखों लोगों की आजीविका का आधार भी हैं। मगर ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना इन नदियों की सांसें छीन रहा है। इसका सबसे गहरा घाव कृषि पर पड़ेगा। भारत का 'अन्न भंडार' कहलाने वाले पंजाब और हरियाणा पहले ही भूजल की कमी से त्रस्त हैं। यदि गंगा और यमुना का जलस्तर और गिरा, तो सिंचाई के लिए पानी की किल्लत फसलों को तबाह कर देगी। यह संकट खेतों तक सीमित नहीं रहेगा–शहरी पेयजल आपूर्ति पर भी गहरा संकट मंडराएगा। दिल्ली, जो पहले ही यमुना के सूखने से जूझ रही है, अब अभूतपूर्व जल संकट की कगार पर है। साथ ही, हिमालयी नदियों पर निर्भर जलविद्युत परियोजनाएं ठप होने के कगार पर हैं, जिससे ऊर्जा संकट का अंधेरा गहराएगा। ग्लेशियरों का पिघलना सिर्फ पर्यावरणीय त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सुनामी की आहट है। जल संकट से खाद्य असुरक्षा बढ़ेगी, खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छूएंगी, और गरीब-मध्यम वर्गीय परिवारों की कमर टूट जाएगी। पानी की बढ़ती मांग क्षेत्रीय युद्धों को भड़का सकती है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच नदियों के पानी के बंटवारे पर पहले से ही तलवारें खिंची हैं; ग्लेशियरों के पिघलने से यह तनाव और विस्फोटक हो सकता है। हिमालयी क्षेत्रों की स्थानीय जनजातियां और समुदाय भी इस आपदा की चपेट में हैं। बाढ़ और भूस्खलन की बढ़ती घटनाएं–जैसा कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हाल के वर्षों में देखा गया–पहाड़ी जीवन को खतरे में डाल रही हैं। यह महज संकट नहीं, बल्कि एक ऐसी तबाही की दस्तक है, जो हमारी सभ्यता की नींव हिला सकती है। हिमालय के ग्लेशियर वैश्विक तापन की दहकती भट्ठी में तेजी से गल रहे हैं और इस विनाश की जड़ में है मानव की असीम स्वार्थपरता। जीवाश्म ईंधनों का अंधाधुंध दोहन, वनों की निर्मम कटाई और औद्योगिक धुएँ का बढ़ता जाल – ये सब मिलकर पृथ्वी की साँसें घोंट रहे हैं। विश्व के तीसरे सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक के रूप में भारत इस संकट से पल्ला नहीं झाड़ सकता। ऊपर से, हिमालयी क्षेत्र में बेलगाम पर्यटन, अवैध खनन और बाँध निर्माण ने इस श्वेत श्रृंखला के सीने पर ऐसे घाव दे दिए हैं जो धीरे-धीरे उसकी जीवन-रेखा को निचोड़ रहे हैं। इस आसन्न तबाही से निपटने के लिए तुरंत और एकजुट कदम उठाने होंगे। पहला, कार्बन उत्सर्जन पर लगाम कसने के लिए भारत को सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों में निवेश को रफ्तार देनी होगी। जंगलों की कटाई पर सख्त रोक और हिमालय में पर्यावरण-अनुकूल नीतियां अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता हैं। दूसरा, जल प्रबंधन को क्रांति की जरूरत है–वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, और कुशल सिंचाई तकनीकों को अपनाना होगा। स्थानीय समुदायों को जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए प्रशिक्षित और सशक्त करना समय की मांग है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इस जंग में अहम हथियार है। हिमालयी ग्लेशियरों का संरक्षण भारत अकेले नहीं कर सकता; दक्षिण एशियाई देशों को मिलकर ग्लेशियर संरक्षण, जल बंटवारे, और जलवायु अनुकूलन की साझा रणनीति बनानी होगी। हिमालय का पिघलना महज पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता के लिए एक अस्तित्वगत खतरा है। गंगा और यमुना केवल नदियां नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन की धड़कन हैं। यदि हम अब नहीं जागे, तो 2035 तक उत्तर भारत पानी की एक-एक बूंद को तरस सकता है। यह समय बहस या चेतावनियों को अनसुना करने का नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाने का है, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां सूखे और संकट की विरासत न पाएं। हिमालय की पुकार गूंज रही है–क्या हम उसका जवाब देंगे, या चुपचाप उसकी तबाही का मातम मनाएंगे?

प्रो. आरके जैन

वृद्धावस्था पेशन योजना की राशी में बढ़ोतरी की जाये

भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अपने अब तक के कार्यकाल में देश के सभी वर्ग के गरीब मध्यम वर्ग के लोगों के बेहतर जीवन यापन के लिए निशुल्क आवास, खाद्यान्न व्यवस्था के साथ साथ पाच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की व्यवस्था के आलावा और भी कई एक से बढ़कर एक लोक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई है जिससे न केवल पुरे देश की जनता बल्कि विपक्ष के धुर मोदी विरोधी राजनीतिक लोग भी प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ गाहे बगाहे कर ही जाते है। बेशक केंद्र सरकार की हर योजना का लाभ आज देश के सुदूर ग्रामीण अंचलों तक में रहने वाले लोग विभिन्न माध्यमों से ले रहे है। पहले भारत गावो में बस्ता था झोपडिया और कच्चे घर गावो की बड़ी पहचान हुआ करते थे लेकिन मोदी सरकार के कार्यकाल में गावो की तस्वीर बड़ी तेजी से बदलने लगी है।अब गांवों की पहचान बनते जा रहे हे ! गावो में ही अब शहरों की तरह नलजल योजना , पक्की सड़के, सोलर उर्जा से बिजली , चिकित्सा सुविधा , शिक्षा व्यवस्था के साथ ही कई तरह की सुविधाए उपलब्ध होना यह दर्शाता हे कि हमारा देश भी विकसित भारत के पथ पर अग्रसर है। बेकोल मोदी सरकार के कार्यकाल में जनहित और राष्ट्रहित के बेहतर कार्य किये जा रहे है लेकिन इसे इस देश के बुजुर्ग पीढी का दुर्भाग्य कहा जाये या विडंबना कही कही जाये कि आधुनिक भारत में अपर धन सम्पदा सुख सुविधाओ के साधन होने के बावजूद भी देश की अधिकांश युवा जवा पीढी अपने ही घर के बुजुर्गो की अनदेखी करती जा रही हे और दिनोंदिन हालत कुछ ऐसे देश में बनते जा रहे हे कि अपने घर में वृद्ध बुजुर्ग अकेले किसी कोने में लावारिस सा पड़ा हुआ हे या फिर अपने ही घर से अपने ही लोगो के द्वारा रुखसत किया जा रहा है। बेशक बुजुर्गो के बारे में यह सब सुनने में अच्छा नहीं लगता हे लेकिन यही वर्तमान के विकसित भारत की अधिकांश उच्च शिक्षित घरानों की कड़वी सच्चाई भी है जिसे कोई झुठला नही सकते है। आज न केवल देशभर के महानगरो ,नगरो, कस्बो में बल्कि अब तो गावो में भी बड़ी संख्या में भी यह आसानी से देख सकते हे कि बुजुर्ग अपनों के ही सताये हुए अपनी किस्मत पर बिलखते दिखाई देते है। आज के आधुनिक युग में सबसे ज्यादा यदि कोई परेशान हे तो वह हे देश में बुजुर्ग लोग ! भारत में एक आकलन करवाया जाये तो महज तीस प्रतिशत ही देश के बुजुर्ग भाग्यवान होंगे जिनको अपने ही घर में अपने ही लोगों से अच्छी परवरिश मिलती होगी ! इन तीस प्रतिशत खुशकिस्मत बुजुर्गो में अधिकतर वही बुजुर्ग होंगे जिनके पास अपना खुद का गाड़ी बंगला बेंक बेलेंस होगा जिसकी वजह से उन्हें अच्छी परवरिश मिलती है। देश में पचास प्रतिशत बुजुर्ग लोगों की हालत यह हे कि सब कुछ उनका अपना होते हुए भी अपने ही घर में दो रोटी तक प्रेम की नसीब नही होती है। अपनों से बेदखल किये बुजुर्गो की हालत देश में और भी बहुत दयनीय होती जा रही हे उनका शारीरिक लाचार अवस्था में बुढ़ापा कितना पीड़ा दायक बीतता हे यह हम महसूस भी नही कर सकते है। आज देश में अधिकांश बुजुर्गो के नाम की सरकारी योजनाओं का लुफ्त उनके अपने या भ्रष्ट मानसिकता वाले लोग उठाते है। केंद्र व राज्य सरकारों के सहयोग से बुजुर्गो को दी जाने वाली वृद्धावस्था पेंशन योजना की राशि वर्तमान महंगाई के इस दौर में ऊँट के मुह में जीरे के समान हे जिससे बुजुर्गो के एक कप एक माह के दूध की पूर्ति भी सम्भव नही होती है। जिस उम्र में बुजुर्गो को अपनी आवश्यकता की वस्तुओं की सख्त जरूरत होती हे उस उम्र में हमारे देश के बुजुर्गो के हाथ खाली हो जाते है और उनकी इस आवश्यकता को उनके अपने तक समझ नही पाते है। आज देश में जिन बुजुर्गो के हाथ वृद्धावस्था में खाली हो जाते हे या उनके अपनों द्वारा कर दिए जाते हे उन बुजुर्गो को घर के ही लोगों द्वारा एकाकी जीवन जीने पर मजबूर कर दिया जाता है। भले ही सरकार ने मुफ्त खाद्यान्न और मुफ्त इलाज की योजनाये देश में सभी जरूरतमंद लोगों के लिए चला रही हे लेकिन उसके बाद भी अन्य आवश्यक जरूरतों के लिए बुजुर्गो को भी पैसे की उतनी ही आवश्यकता होती हे जितनी की एक युवक को होती है। सरकार द्वारा वृद्धावस्था पेंशन योजना की तहत देश के अलग अलग राज्यों में पांच सो से सात सौ रुपये तक पेंशन दी जाती हे जो आज के दोर में बहुत ही कम है। भारत सरकार को देश में एकाकी होते बुजुर्गो की हालत पर गम्भीरता से विचारकर बुजुर्गो के जीवन के आखरी पड़ाव को आन्दमय सुखमय बनाने हेतु ठोस कदम उठाने होगे ताकि देश के बुजुर्ग अपना अंतिम सफर प्रसन्नचित भाव से कर सके ! केंद्र व राज्य सरकारों को यह पहल करना चाहिए कि जिन परिवारों द्वारा उनके बुजुर्ग माता पिता को एक ही गाव में अलग रहने पर मजबूर किया जाता है या जिनके माता पिता अपनों की ही वजह से वृधाआश्रम या अन्यंत्र कही रहने को मजबूर है तो ऐसे सभी कुपात्र संतानों को सरकार की और से दी जाने वाली समस्त सेवाओ के लाभ से वंचित कर दिया जाना चाहिए और मंहगाई को ध्यान में रखते हुए बुजुर्गो की वृधावस्था पेंशन योजना की राशी में बढ़ोतरी कर देशभर में एक समान रूप से सभी वर्ग के सभी लोगो के लिए वृद्धावस्था पेशन योजना लागू की जाना चाहिए ! भारत सरकार और राज्य सरकारों से निवेदन हे कि वह कोई भी एक मुफ्त की योजना को बंद करके देश के बुजुर्गो को दी जाने वाली वृधावस्था पेंशन योजना की राशी में बढ़ोतरी जरुर करे क्युकि अपने ही घर से अपनों के द्वारा बेदखल किये गये बुजुर्गो के लिए अपनी पेंशन की बड़ी राशी अकेलेपन में जीवन जीने की एक उम्मीद जगाती हे एक जीने का विश्वास पैदा करती है। अतएव वृद्धावस्था पेशन योजना की राशी में बढ़ोतरी की जाना बुजुर्गो के हित में मिल का पत्थर साबित होगी !

अरविन्द रावल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 –9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

मजबूत संगठन से ही होगी लक्ष्य की प्राप्तिःरिज़वान अहमद

बिसवां(सीतापुर) बिसवां के सिधौली रोड स्थित कांग्रेस पार्टी के कार्यालय पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी-सीतापुर के उपाध्यक्ष, सांसद प्रतिनिधि एवं बिसवां के संगठन प्रभारी रिज़वान अहमद ने उपस्थित पदाधिकारियों से संगठन के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि किसी भी राजनीतिक दल का बल उसके संगठन की मजबूती पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि जिस गंभीरता के साथ सांसद राकेश राठौर संगठन को लगातार बल एवं गतिशीलता देने का कार्य कर रहें है। उसी मनोयोग से हमें भी लगना होगा। सांसद प्रतिनिधि बिसवां प्रदीप सिंह ने उपस्थित जनों से चौपाल लगाकर लोगों को जोड़ने का सुझाव दिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे ब्लॉक कमेटी के अध्यक्ष बकरीदी खां ने आए हुए समस्त पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की इस बैठक में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष अमर नाथ मेहरोत्रा, डॉक्टर आर.पी. वर्मा, शिवा शुक्ला, अब्दुल मुज़ीब, कमला रावत, जगदीश चंद्र शुक्ला, रामदास भार्गव, विशंभर पासी, अखूतर अली सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

सीतापुर डीएम डॉ राजा गणपति आर ने दधीचि कुंड पर किया पूजन अर्जन

मिश्रिख (सीतापुर) सीतापुर जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने मिश्रिख स्थित दधीचि कुंड का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने पूजन अर्चन कर सभी के कल्याण की कामना भी की। साथ ही दधीचि कुंड पर धर्मगुरुओं से वार्ता कर समस्याओं की जानकारी भी ली एवं समस्याओं के समुचित निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने नैमिषारण्य में रुद्रावर्त का निरीक्षण किया एवं पूजन अर्चन भी किया। जिलाधिकारी ने संपर्क मार्गो के दुरुस्तीकरण एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु समुचित कार्यवाही की जाये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी मिश्रिख शैलेन्द्र मिश्रा, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग रीमा सोनकर, सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाराबंकी में हुए हादसों में युवक समेत दो लोगों की मौत, चार की हालत गंभीर

बाराबंकी। अयोध्या से भगवान श्रीराम के दर्शन कर लौट रहे बाइक सवार तीन युवकों में लखनऊ के एक युवक की मौत और दो हादसे में घायल हो गए। दोनों घायलों को सीएचसी त्रिवेदीगंज से रेफर कर दिया गया है, यह युवक गुजरात के रहने वाले बताए जा रहे हैं। दूसरे हादसे में पैदल जाते वक्त युवक को बोलेरे ने टक्कर मार दी, जिसमें उसकी मृत्यु हो गई। तीसरे हादसे में दो लोग और घायल हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

त्रिवेदीगंजः पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे लोनीकटरा के कबूलपुर गांव के पास हादसा हुआ। लखनऊ के गोसाईगंज के जगमोहन पुरवा निवासी सूरज यादव अपने दो साथियों गुजरात प्रांत के अशोक व गोपाल मिश्र के साथ अयोध्या से दर्शन कर बाइक से वापस लखनऊ जा रहे थे। जहां बाइक असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में तीनों युवक घायल हो गए। गोसाईगंज सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने अशोक को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष अभय कुमार मौर्य का कहना है कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में एक की मौत व दो घायल हुए हैं। लोनीकटरा के हुसैनाबाद गांव निवासी अरुण कुमार गौतम गांव से बाहर बने पोल्ट्री फार्म पर काम करता था। मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे फार्म से काम खत्म कर पैदल वापस घर जा रहा था। हाईवे पर पीछे से आ रही अज्ञात बोलेरो की टक्कर से घायल हो गया। पुलिस ने गंभीर घायल को सीएचसी त्रिवेदीगंज पहुंचाया, जहां से उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है था। इलाज के दौरान बुधवार भोर उसकी मौत हो गई।

हाई कोर्ट ने खारिज की अवैध मतांतरण की एफआईआर, सरकार पर लगाया 75 हजार का हर्जाना

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अवैध मतांतरण के मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। अदालत ने सरकार पर 75 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। यह निर्णय मामले की गंभीरता और तथ्यों के मूल्यांकन के बाद लिया गया, जिससे याचिकाकर्ता को राहत मिली।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अवैध मतांतरण रोकथाम कानून और अपहरण समेत अन्य धाराओं में दर्ज एक एफआइआर को खारिज कर दिया है। अदालत ने राज्य सरकार पर 75 हजार रुपये का हर्जाना लगाते हुए अभियुक्त को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

न्यायालय ने टिप्पणी की है कि यह मामला इस बात का उदाहरण है कि किस प्रकार राज्य के अधिकारी एफआइआर के आधार पर अंक बटोरने की होड़ में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन और न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने यह आदेश उमेद उर्फ उबैद खां और अन्य की याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया।

मामला बहराइच जनपद के माटेरा थाने का है। वादी पंकज कुमार ने 13 सितंबर को एफआइआर दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसकी पत्नी वंदना वर्मा अभियुक्तों के बहकावे में आकर जेवर और नकदी लेकर घर से चली गई है और ये लोग अवैध मतांतरण का गैंग चलाते हैं।

जांच के दौरान 15 सितंबर को वंदना ने पुलिस के समक्ष अपने पति के आरोपों का समर्थन किया, लेकिन 19 सितंबर को मजिस्ट्रेट के सामने दिए बयान में उसने कहा कि पति के मारपीट से परेशान होकर वह दिल्ली चली गई थी। कथित पीड़िता हाई कोर्ट के समक्ष भी उपस्थित हुई और आरोप लगाया कि पुलिस के समक्ष जो बयान उसने दिया वह अपने पति के दबाव में दिया था।

इसके बावजूद 18 सितंबर को पुलिस ने उमेद उर्फ उबैद खां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अदालत ने कहा कि जब मजिस्ट्रेट के समक्ष पीड़िता का बयान स्पष्ट कर चुका था कि अपहरण या मतांतरण का कोई मामला नहीं है, तब पुलिस को अंतिम रिपोर्ट लगा देनी चाहिए थी।

ऐसा न करने से निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक रूप से जेल में रहना पड़ा। अदालत ने आदेश दिया कि सरकार 75 हजार रुपये में से 50 हजार रुपये याची को और 25 हजार रुपये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को दे। साथ ही अभियुक्त की तत्काल रिहाई सुनिश्चित की जाए।

स्वागत व विदाई समारोह में नवागत बीईओ का अभिनंदन, सेवानिवृत्त अधिकारी को दी भावभीनी विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर) नगर क्षेत्र बिसवां में शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ओंकार सिंह तथा सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी शिव मंगल वर्मा का स्वागत एवं भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी शिव मंगल वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों के सहयोग से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। उन्होंने सभी शिक्षकों को साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ओंकार सिंह ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे उच्च कोटि की शिक्षा सुनिश्चित कराने हेतु सदैव प्रयत्नशील रहेंगे। इस अवसर पर शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं पुष्पमालाएं भेंट कर सम्मानित किया। दोनों अधिकारियों ने भी एक-दूसरे को पुष्पगुच्छ भेंट कर परस्पर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में रजनी श्रीवास्तव, शकील अहमद अंसारी, अबु लईक, सुनील कुमार बाजपेयी, अजय कुमार श्रीवास्तव, इंतेखाब आलम, मोहम्मद आकिब अजहर अंसारी, रेहाना बानो, सर्वेश अवस्थी, अनुज जोशी, मलय मधुर मिश्रा, शाबीर अली सहित नगर क्षेत्र के अनेक सम्मानित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

यूपी बोर्ड हाईस्कूल-इंटरमीडिएट की परीक्षा तिथि का हुआ एलान, इस तारीख से शुरू होंगी परीक्षाएं

प्रयागराज। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा की तिथि यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने बुधवार को घोषित कर दी। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से आरंभ होकर 12 मार्च को संपन्न होगी। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में पहले दिन हिंदी विषय की परीक्षा होगी। परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली का समय सुबह 8.30 से 11.45 बजे तक है, जबकि दूसरी पाली की परीक्षा का समय दोपहर बाद 2.00 बजे से शाम 5.15 बजे है।

सीतापुर डीएम डॉ राजा गणपति आर ने दधीचि कुंड पर किया पूजन अर्जन

मिश्रिख (सीतापुर) सीतापुर जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने मिश्रिख स्थित दधीचि कुंड का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने पूजन अर्चन कर सभी के कल्याण की कामना भी की। साथ ही दधीचि कुंड पर धर्मगुरुओं से वार्ता कर समस्याओं की जानकारी भी ली एवं समस्याओं के समुचित निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने नैमिषारण्य में रुद्रावर्त का निरीक्षण किया एवं पूजन अर्चन भी किया। जिलाधिकारी ने संपर्क मार्गो के दुरुस्तीकरण एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु समुचित कार्यवाही की जाये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी मिश्रिख शैलेन्द्र मिश्रा, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग रीमा सोनकर, सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वागत व विदाई समारोह में नवागत बीईओ का अभिनंदन, सेवानिवृत्त अधिकारी को दी भावभीनी विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर) नगर क्षेत्र बिसवां में शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ओंकार सिंह तथा सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी शिव मंगल वर्मा का स्वागत एवं भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी शिव मंगल वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों के सहयोग से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। उन्होंने सभी शिक्षकों को साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ओंकार सिंह ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे उच्च कोटि की शिक्षा सुनिश्चित कराने हेतु सदैव प्रयत्नशील रहेंगे। इस अवसर पर शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं पुष्पमालाएं भेंट कर सम्मानित किया। दोनों अधिकारियों ने भी एक-दूसरे को पुष्पगुच्छ भेंट कर परस्पर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में रजनी श्रीवास्तव, शकील अहमद अंसारी, अबु लईक, सुनील कुमार बाजपेयी, अजय कुमार श्रीवास्तव, इंतेखाब आलम, मोहम्मद आकिब अजहर अंसारी, रेहाना बानो, सर्वेश अवस्थी, अनुज जोशी, मलय मधुर मिश्रा, शाबीर अली सहित नगर क्षेत्र के अनेक सम्मानित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

एस0 आर0 ग्लोबल स्कूल में वार्षिकोत्सव 'उड़ान-2025' का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बीकेटी एस0आर0 ग्लोबल स्कूल, बक्शी का तालाब, में वार्षिकोत्सव 'उड़ान-2025' का भव्य एवं सफल आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर में रंगारंग प्रस्तुतियों, देशभक्ति और सांस्कृतिक विविधता से परिपूर्ण यह आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। धर्मपाल सिंह (संगठन मंत्री, भाजपा), संजय राय जी (प्रदेश मंत्री), मयंकेश्वर शरण सिंह (राज्यमंत्री, संसदीय कार्य), कुँवर मानवेंद्र सिंह (सभापति, विधान परिषद्), राकेश राठौर 'गुरु' (राज्यमंत्री, नगर विकास), रामचंद्र प्रधान विधान परिषद सदस्य लखनऊ। इनके अतिरिक्त कार्यक्रम में अनेक माननीय मंत्रीगण, उत्तर प्रदेश विधान सभा एवं विधान परिषद् के सदस्यगण, जनपद सीतापुर एवं लखनऊ के जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिकअधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा अनेक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। विद्यालय के चेयरमैन एवं माननीय सदस्य विधान परिषद् पवन सिंह चौहान ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि तथा समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ अर्पित कर स्वागत एवं सम्मान किया।

उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों की सर्वांगीण प्रगति ही विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है। मुख्य अतिथि धर्मपाल सिंह ने एस0आर0 ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स के प्रयासों की सराहना करते हुए चेयरमैन पवन सिंह चौहान के नेतृत्व और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यालय के गौरवपूर्ण दस वर्षों की पूर्णता पर विद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और कहा कि 'एस. आर. ग्लोबल स्कूल अपने सतत प्रयासों से शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करता रहेगा।' विद्यालय के विद्यार्थियों ने मंच पर एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। प्री-प्राइमरी से लेकर के.जी. वर्ग तक के बच्चों ने 'Barbie', 'Mahadev' तथा 'Chair and Umbrella' जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसके अलावा कश्मीरी डांस, फ्लेमिंगो डांस तथा महाराणा प्रताप पर आधारित नृत्य ने दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा चारों युगों पर आधारित नृत्य-नाटिका 'युग', जिसमें सतयुग से कलियुग तक की प्रमुख घटनाओं को नृत्य के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित देशभक्ति नृत्य-नाटिका ने देशप्रेम का भाव जागृत किया, वहीं हॉरर डांस की प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।लगभग 30,000 गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में विद्यालय का पूरा परिसर अनुशासन और उत्साह से सराबोर था। एस0आर0 ग्रुप के वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान एवं सुष्मिता सिंह चौहान के कुशल मार्गदर्शन में तैयार सम्पूर्ण कार्यक्रम एवं व्यवस्थाएँ सभी की सराहना का केंद्र बनीं। पीयूष सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा की तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संपूर्ण विद्यालय परिवार को बधाई दी।

नगर में निकली श्री जी विमानोत्सव रथयात्राः उत्साहित रहा जैन समाज

● आचार्य निर्भय सागर महाराज के सानिध्य में हुआ महामहोत्सव, श्रद्धालुओं ने किए प्रभु दर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जैन धर्मावलंबियों ने कार्तिक पूर्णिमा पर विमानोत्सव की शोभायात्रा नगर के जैन मंदिरों से श्री जी को विमान एवं रथों में विराजित कर वैज्ञानिक संत निर्भय सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रभावना पूर्वक निकाली। शोभायात्रा में रजत रथ आकर्षण का केन्द्र रहा जिसको अपने हाथों से श्रावकों ने खीच कर पुण्यार्जन कर श्री जी का विमानोत्सव पर नगर में विहार कराने का सौभाग्य अर्जित किया।

शहर की विमानोत्सव की शोभायात्रा नगर के सरदारपुरा स्थित जैन आदिनाथ बडा मंदिर, जेन नया मंदिर, नदीपार स्थित वाहुवलित नगर, ज्ञानोदय तीर्थ वाईपास रोड, चन्द्रप्रभु जिनालय डोडाघाट से प्रारम्भ हुई जो नगर के सावरकर चौक पहुंची। पार्श्वनाथ जैन अटामंदिर से रजत रथ में श्री जी को विराजित किया शोभायात्रा में अभिनंदनोदय तीर्थ पहुंची। शोभायात्रा में पार्श्वनाथ कालौनी जैन मंदिर एवं इलाइट जैन मंदिर के विमान प्रभावना पूर्वक सम्मलित हुए।

नगर के गांधीनगर स्थित आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ समोवशरण मंदिर एवं शान्तिनाथ जैन मंदिर से विमान जी की शोभायात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए वर्णी चौराहा से अभिनंदनोदय तीर्थ पहुंची जहां जैन पंचायत के पदाधिकारियों ने श्री जी की आरती उतारी और अगुवाई की। विमान जी शोभायात्रा को लेकर धर्मालुजनों में उत्साह रहा नगर के मुहल्लों में जहां से श्री जी की शोभायात्रा निकली घरों पर रंगोली तोरणद्वार सजाकर श्री जी की आरती उतारी। शोभायात्रा में बुन्देली परम्परा का राई सेरा जहां चल रहा था वहीं नगर के महिला मण्डल की श्रविकाए भक्ति और डांडिया नृत्य करते हुए प्रभु की भक्ति कर रही थी।

शोभायात्रा में अभिनंदनोदय तीर्थ, सतोदय तीर्थ सेरोन, शान्तोदय तीर्थ चांदपुर देवोदय तीर्थ देवगढ़ के जैन मंदिरों की झांकी, जैन संतों के चित्रों के साथ बुन्देली परम्पनरागत राई सैरा की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। शोभायात्रा में अखिल भारतीय दिगम्बर जैन परिषद, जैन मिलन, सतोदय तीर्थ सेरोन, शान्तोदय तीर्थ जहाजपुर, जनक जननी वृद्धाश्रम, सिद्धि समूह, वीर व्यायामशाला, वीर क्लव सहित अनेकों संगठनों ने अपनी सहभागिता निभाई। इस दौरान आचार्य निर्भय सागर महाराज ने विमानोत्सव में श्री जी के नगर विहार को पुण्य का योग बताया इसके पूर्व में आचार्य श्री के सानिध्य में श्रीजी का अभिषेक श्रावकों ने किया। शोभायात्रा में राज्यमंत्री उप्र शासन मनोहरलाल पंथ, नगरपालिका अध्यक्ष सोनाली जैन, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीपचौबे, राजकुमार जैन, बब्बूराजा बुन्देला, महेन्द्र मयूर,वीर चन्द सराफ, अजय जैन साइकिल, सुरेश बडैरा सहित अनेकों श्रेष्ठियों ने आरती उतारी और दर्शन किए।

सायंकाल नगर के सभी जैन मंदिरों के विमान जी में विराजित श्री जी की मंगल आरती श्रावकों ने भक्ति पूर्वक की। शोभायात्रा की व्यवस्थाओं को अनुशासित करने में जैन पंचायत अध्यक्ष डा0 अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, सनत खजुरिया, सौरभ जैन सीए, प्रतीक इमलया,राकेश जैन रिंकू, कैप्टन राजकुमार जैन, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, मंदिर प्रबंधक मोदी पंकज जैन, अशोक जेन दैलवारा, आनंद जैन भावनगर, अजित जैन गदयाना, मनोज जैन बबीना, अजय जैन गंगचारी, राजेन्द्र सराफ, जिनेन्द्र जैन रजपुरा, जितेन्द्र जैन, मनीष जैन, सतीश जैन बजाज, 'सुवेन्दु जैन आदि प्रमुख रहे।

दिल्ली में 9 साल के मासूम से हैवानियत, नाबालिगों ने छत पर बुलाकर किया यौन शोषण; गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। पुलिस ने बुधवार को कहा कि तीन नाबालिगों को नौ साल के एक बच्चे को एक सुनसान छत वाले इलाके में लुभाकर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पकड़ा गया है। घटना 4 नवंबर को सामने आई जब बच्चे के एक रिश्तेदार ने पुलिस से संपर्क किया और आरोप लगाया कि बच्चे का तीन नाबालिगों द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया है। शिकायत के अनुसार, तीनों नाबालिग जिसमें एक 13 साल का और दो 16 साल का है ने बच्चे को सुनसान छत वाले इलाके में लुभाकर उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने बच्चे को घटना किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी, उप पुलिस आयुक्त (केंद्रीय) निधिन वल्सन ने कहा। पुलिस ने कहा कि पोक्सो अधिनियम की धारा 6 (गंभीर यौन हमले के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया।

जांच जारी, बच्चों की होगी काउंसलिंग

पीड़ित की जानकारी और मुखबिरों की मदद से टीम ने आरोपियों की पहचान की और उन्हें बापा नगर इलाके से पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि मामले के दर्ज होने के उसी दिन तीनों नाबालिगों को हिरासत में लिया गया और आगे की कानूनी कार्यवाही के

लिए उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है और बच्चे के लिए बाल कल्याण प्राधिकरणों की मदद से काउंसलिंग की व्यवस्था की गई है, डीसीपी ने बताया।

भव्य भूमिपूजन के साथ गायत्री परिवार ने किया महायज्ञ का शंखनाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूटः गायत्री परिवार के तत्वाधान में आगामी 17 दिसम्बर से शुरु हो रहे 151 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के तहत बुधवार को धर्मनगरी में महायज्ञ के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कलश यात्रा निकालते हुए वैदिक मंत्रोच्चारण और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भूमिपूजन किया गया।

बुधवार को आयोजित भूमिपूजन के कार्यक्रम में महिलाएँ कलश लेकर भजन-कीर्तन करती हुई भूमि पूजन स्थल तक पहुंचीं। यहां ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से भूमि पूजन कराया गया। इस दौरान गायत्री परिवार के स्थानीय कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने भूमि पर पुष्प, अक्षत, जल और पंचामृत अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा सामूहिक रूप से गायत्री महामंत्र का जाप कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। भूमिपूजन में भारतीय परंपरा और संस्कृति का जीवंत दर्शन हुआ। रंगोली, पुष्प सज्जा कर वैदिक वेशभूषा में शामिल होकर श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम को दिव्यता का रूप प्रदान किया। भूमि पूजन के बाद यज्ञ स्थल की परिक्रमा एवं संकल्प विधान संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद व पेयजल की भी व्यवस्था की गई। साथ ही चिकित्सा एवं व्यवस्था समितियों को भी तैनात किया गया ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

इस दौरान संत दिव्य जीवन महराज ने कहा कि गायत्री महायज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह समाज में नैतिकता, सदाचार और एकता के बीज बोने का माध्यम है। चित्रकूट जैसे पवित्र तीर्थ में ऐसे आयोजन मानवता की दिशा को आलोकित करने का कार्य करते हैं। महामंडलेश्वर राम नरेश आचार्य ने कहा कि धर्म, संस्कृति और संस्कार के बिना समाज अधूरा है। गायत्री परिवार इस युग में एक आध्यात्मिक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है, जिससे समाज में प्रेम, करुणा और राष्ट्रभावना को बल मिल रहा है। सांसद कृष्णा देवी पटेल ने कहा कि गायत्री परिवार ने सदैव समाज में सकारात्मक सोच, नारी सशक्तिकरण और नशामुक्ति जैसे अभियानों से नई दिशा दी है। चित्रकूट की यह भूमि सदियों से ऋषियों की तपोभूमि रही है, जहां से मानवता के लिए संदेश प्रवाहित होते रहे हैं। बांदा विधायक प्रकाश द्विवेदी, चित्रकूट (म.प्र.) विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार और रींवा कमिश्नर एस जामोद ने कहा कि गायत्री परिवार के इस आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता, धार्मिक सौहार्द और जनकल्याण के भाव को बल मिलेगा। उन्होंने इस आयोजन में प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति भरत मिश्रा ने कहा कि शिक्षा और अध्यात्म का संगम ही भारतीय संस्कृति की पहचान है, और इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण की भावना उत्पन्न करते हैं।

अखिल विश्व गायत्री परिवार के वरिष्ठ प्रतिनिधि सिंह वर्मा और परमानंद द्विवेदी ने बताया कि 151 कुंडीय गायत्री महायज्ञ क्षेत्र में एक नई आध्यात्मिक चेतना का संचार करेगा। यह आयोजन केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि विचार क्रांति अभियान का एक सशक्त चरण है, जो समाज को सदाचार, संयम और सेवा की दिशा में अग्रसर करेगा। गायत्री परिवार के व्यवस्थापक डॉ रामनारायण त्रिपाठी ने बताया कि इस महायज्ञ में हजारों साधक व श्रद्धालु सम्मिलित होंगे। जिसके लिए सभी को आमंत्रित किया जा रहा हैं। समाजसेवी नितिन उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नारी जागरण और युवा निर्माण से संबंधित सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

इस मौके पर संत संकादिक महराज, मदन गोपलदास, आरएसएस क्षेत्र प्रचारक अनि, उ.प्र. जल शक्ति मंत्री रामकेश निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष बांदा सुनील सिंह, चित्रकूट अशोक जाटव, सतना साधना पटेल, कौशाम्बी जितेंद्र सोनकर, जेआरडीएसयू के कुलपति डॉ शिशिर कुमार पांडेय, पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह, सह बौद्धिक प्रमुख कानपुर प्रांत डॉ अखंड प्रताप, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, डीआरआई के अनिल जायसवाल, अंतर्राष्ट्रीय पायनीयर्स क्लब के अध्यक्ष केशव शिवहरे, अतुल, रामशंकर तिवारी, रामखेलावन गौर, डॉ भारत पाठक, आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज में छिवकी स्टेशन के पास मालगाड़ी की बोगी पटरी से उतरी, लाइन क्लियर करने का चल रहा काम

प्रयागराज। प्रयागराज के छिवकी स्टेशन के नज़दीक मानिकपुर लाइन पर एक मालगाड़ी की 19वीं बोगी पटरी से उतर गई। यह घटना शाम चार बजे के आसपास हुई, जिसके बाद रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत लाइन को साफ़ करने का काम शुरू कर दिया ताकि यातायात को जल्द से जल्द सामान्य किया जा सके। छिवकी स्टेशन के समीप मानिकपुर लाइन पर मालगाड़ी संख्या जे 17 की 19वीं बोगी पटरी से उतर गई है। घटना करीब चार बजे की बताई जा रही है। लाइन क्लियर करने का काम चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

हरमनप्रीत का 'अभिनंदन' अंदाजः महिला वर्ल्ड कप जीत का जश्न, सैनिकों को सम्मान!

सोशल मीडिया पर इन दिनों भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह ट्रॉफी उठाने से पहले एक कप से घूंट भरते हुए दिखाई देती हैं। फैंस के बीच यह चर्चा चल पड़ी है कि हरमनप्रीत ने यह अंदाज़ विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को सम्मान देने के लिए अपनाया, जिनकी चाय पीते हुए तस्वीर 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान में काफ़ी वायरल हुई थी। बता दें कि हरमनप्रीत की यह खास अदा आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीत के बाद सामने आई, जिसमें भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराते हुए पहली बार यह खिताब अपने नाम किया। गौरतलब है कि सोशल मीडिया यूज़र्स अब इस इशारे को देशभक्ति और सैनिकों के प्रति सम्मान से जोड़कर देख रहे हैं। इस बीच, क्रिकेट जगत में ट्रॉफी को लेकर विवाद भी जारी है। हाल ही में पुरुष एशिया कप जीतने के बावजूद भारतीय टीम को अब तक ट्रॉफी नहीं मिली है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नक़वी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था, जिसके बाद उसे मंच से हटा लिया गया। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ किया है कि अगर ट्रॉफी जल्द नहीं मिलती तो यह मुद्दा 4 नवंबर को आईसीसी बैठक में उठाया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, भारतीय पुरुष टीम ने इस जीत का जश्न अपने तरीके से मनाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रोहित शर्मा के अंदाज में एक काल्पनिक ट्रॉफी उठाकर जश्न मनाया, तो हरमनप्रीत कौर ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर एमएस धोनी की 2011 वर्ल्ड कप जीत वाली मशहूर तस्वीर को दोहराया। महिला टीम की यह जीत भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है। शफाली वर्मा की ताबड़तोड़ 87 रनों की पारी और दीप्ति शर्मा के संयमित अर्धशतक ने भारत को मजबूत स्कोर दिया था, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम दबाव में टूट गई और केवल 246 रन पर ऑल आउट हो गई हैं।

उप्र : नोएडा में महिला अधिवक्ता को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाला प्रेमी गिरफ्तार

परेशान युवती ने मंगलवार को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नोएडा उत्तर प्रदेश के नोएडा में सेक्टर-39 में पुलिस ने महिला अधिवक्ता को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले आरोपी उसके प्रेमी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी को अदालत में पेश किया गया। आरोपी भी पेशे से वकील है और उसने महिला अधिवक्ता को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए तथा बाद में शादी करने से इनकार कर दिया था। इस बात से परेशान महिला अधिवक्ता ने मंगलवार को अपने घर पर आत्महत्या कर ली थी।

सहायक पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि मूल रूप से बिहार के रहने वाले एक ठेकेदार सेक्टर-105 के बी-ब्लॉक में रहते हैं। उनकी 24 वर्षीय बेटी पेशे से अधिवक्ता थी, जिसका एक अन्य अधिवक्ता के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। यह बात युवती के परिवार को भी पता थी। युवती के प्रेमी ने पहले शादी का वादा किया था लेकिन अब वह इससे इनकार कर रहा था। इस बात से परेशान युवती ने मंगलवार को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक युवती के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को बुधवार कोगिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

अमझोर के अवैध पेट्रोल पंप निर्माणाधीन पर शासन लगाई रोक..पूर्व पटवारी ने भाई भतीजा वाद के आधार पर शासन की बेशकीमती भूमि पर की बड़ी हेरा फेरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी

शहडोल अमझोर... शासकीय जमीन पर हेरा फेरी कोई नई बात नहीं है परंतु शासन जिसे चाहे चोर बना दे, चाहे राजा बना दे। ऐसा ही एक मामला ग्राम अमझोर का है जहां शासन का खसरा ठ्ठश 179 रकवा 5.64 एकड़ जो वर्ष 1992 *93 तक mp state के नाम दर्ज राजस्व अभिलेख थी। आज वेशकीमती जमीन पर पेट्रोल पंप का अवैध साम्राज्य खड़ा किया जा रहा है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में जहां अनुसूची 6 लागू हैं। बिना ग्राम पंचायत के अनुमोदन के किसी भी शासकीय या गैर शासकीय कार्य को चालू नहीं किया सकता।

pesa एक्ट के तहत शासन के झूठे जुमले यहां भी तैयार है जो यह सिर्फ कागज़ी कार्यवाही तक ही सीमित है, मैदानी हकीकत में वास्तविकता में कुछ और ही है ग्राम पंचायत अमझोर के पूर्व उपसरपंच चंद्रमा प्रसाद तिवारी द्वारा शासन की भूमि जो बंटन व्यवस्थापन से प्राप्त हुई थी, बिना सरपंच के अनुमति या यू कहे अनापत्ति प्रमाण पत्र के ही शासन के उच्च अधिकारियों से साठ गांठ फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कूट रचित दस्तावेज तैयार कर अनापत्ति प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत से तैयार कराए गए जिसके आधार पर पेट्रोल पंप निर्माण के लिए हरे भरे पेड़ों को भी नहीं छोड़ा गया, बेरहमी से लिपटिक्स के पेड़ो को काट दिया गया और बिना किसी सरपंच की अनुमति के अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करा दी गई।

ऐसा नहीं है कि शासन को पता नहीं है अमझोर के पूर्व पटवारी श्रुति प्रकाश तिवारी भाई भतीजा वाद पर ज्यादा विश्वास करते हैं ,गलत प्रतिवेदन तैयार कर शासन को ही चूना लगाने में कोई कमी नहीं कि मेरे द्वारा शासन प्रशासन को पूर्व में लिखित सूचना दी गई, आज दिनांक तक कोई सुनवाई नहीं की गई भूमि बंटन व्यवस्थापन की है प्रकरण अपर कलेक्टर महोदय के न्यायालय में वर्ष 2023- 24 से पट्टा खसरा no 179/3/1 एवं खसरा no 179/2 की निगरानी माननीय न्यायालय में विचार अधीन है।

गांव में किसी गरीब व्यक्ति को शासन प्रशासन के द्वारा दो डिसमिल जमीन आवंटित नहीं की गई परंतु ग्राम पंचायत के पूर्व उपसरपंच महोदय जो 15 से 20 एकड़ के पहले भी मालिक थे उन्हें किन आधारों पर बंटन व्यवस्थापन की भूमि आवंटित कराई गई इसका कोई जवाब किसी नहीं है पूर्व पटवारी द्वारा गलत नक्शा तरमीम व सीमांकन की कार्रवाई की गई रा. प्र.क्रमांक 0062/अ 3/ 2021-22, सीमांकन 0064/अ 12/ 2022-23 को स्वीकृत किया जाता है पटवारी द्वारा शासकीय जमीन में हेरा फेरी का कोई नया मामला नहीं है इसके पूर्वी आदिवासियों की भूमि के नाम के लिए ग्राम अमझोर का नक्शा गलत है कहकर कई महत्वपूर्ण प्रकरण को अधर में लटका दिया है।

इसी भूमि से लगी भूमि पर उनकी बुआ स्वर्गीय सुशीला देवी ने 13 *14 भोले भाले लोगों को शासकीय भूमि पर अपना कब्जा बताकर लोगों को बिक्री किया गया भोले वाले लोग जो यहां भूमिहीन की भूमिका में थे

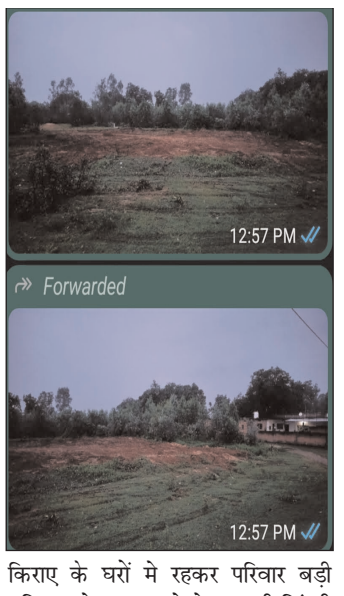

किराए के घरों मे रहकर परिवार बड़ी मुश्किल से चल पा रहे थे , अपनी जिंदगी भर की कमाई अवैध भूमि पर लगा दी। अवैध कालोनाइजर एक्ट पर कार्रवाई ' रमा 1s शीला तिवारी ' एसडीएम जयसिंहनगर के न्यायालय में प्रचलनशील है यदि शासकीय तंत्र अपना कार्य ईमानदारी से करता तो शायद शासन की वेशकीमती जमीन को समय रहते बचाया जा सकता था परंतु किसी ने अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से नहीं निभाई अपर कलेक्टर महोदय शहडोल निगरानी पर विचार करते हुए अवैध पेट्रोल पंप पर के निर्माण कार्य पर स्थगन आदेश 27.10.2025 को जारी किया है , अब देखना यह है कि शासन ऐसे लोगों पर कब तक लगाम लगा पाता है?

युवक का शव सड़क किनारे पेड़ से लटका मिला

कुमार के अनुसार परिवार ने पुलिस को बताया कि मान सिंह आज सुबह काम पर जाने के लिए घर से निकला था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए

इटावा जिले के बकेवर थानाक्षेत्र में मंगलवार को 18 वर्षीय एक युवक का शव सड़क किनारे एक पेड़ से लटका मिला। यह जानकारीपुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान मान सिंह (18) के रूप में हुई है। बकेवर थाने के प्रभारी (एसओ) विपिन कुमार ने बताया कि मंगलवार को राहगीरों ने नौधना बोझा रोड पर एक आम के पेड़ से शव लटका देखा। उन्होंने बताया कि इसके बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान नसीरपुर बोझा गांव निवासी मान सिंह (18) के तौर पर हुई। उन्होंने बताया कि पेड़ा के पास एक ऑटो-रिक्शा भी खड़ा मिला। कुमार के अनुसार परिवार ने पुलिस को बताया कि मान सिंह आज सुबह काम पर जाने के लिए घर से निकला था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के निर्वाचन में मिल रहे भारी समर्थन

● अधिवक्ता संघ बुढ़ार से जयकांत मिश्रा हुए प्रत्याषी होगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बुढ़ार- म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के आगामी चुनाव के संबंध में जबलपुर एवं अन्य स्थानों को अधिवक्ताओं द्वारा चुनाव प्रचार व जन सम्पर्क प्रारम्भ कर चुके हैं, म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के निर्वाचन 2018-19 में जबलपुर से 7-8 अधिवक्ता सदस्य निर्वाचित हुए थे, किन्तु सिदूरवर्ती जिला के अधिवक्ता निर्वाचित न होने से दूरस्थ जिलो के अधिवक्ताओं की बाते नही सुनी जाती हैं, जिससे छोटी छोटी जगहों से भी अभिभाषकगण अपना प्रतिनिधि के रूप में तहसीलों के अधिवक्ता भी निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रयासरत है, जिले का कोयलांचल क्षेत्र बुढ़ार अभिभावक संघ के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा को शहडोल संभाग एवं रीवा संभाग के अधिवक्ताओं के साथ अन्य संभाग के अधिवक्ताओं ने अपने प्रत्याषी बनाकर म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद में पहुचाने का एकजुटता के साथ मन बना लिए हैं।

राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में जिस तरह सुल्झे एवं सभी के बीच में मृदुभाषी व अधिवक्ताओं के हित के साथ पीढ़ितजनों को न्याय दिलाने में निरंतर कई वर्षो से अपनी भूमिका निभा रहे बुढ़ार अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा ने म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ के न्यायालयों में भी जाकर अधिवक्ताओं का दिल जीता है। बड़े शहरों के अधिवक्ता सदस्य ग्रामीण एवं तहसील अधिवक्ताओं की बातो को अनुसुना करके उन्हे उपेक्षित करते हैं, जिससे सभी ग्रामीण एवं तहसील स्तर के अधिवक्ताओं ने श्री मिश्रा को अपना प्रत्याषी नियुक्ति किया है।

एसटीएफ ने पदाधिकारी योगेंद्र कुमार दहिया एवं कोच अंकित कुमार बालियान के असामयिक निधन पर गहरा दुख जताया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। 4 नवंबर को रात्रि 1बजे बम्बलिम के पास एक टैंकर एवं कार की जोरदार टक्कर में वर्ल्ड सेपक टकराव फेडरेशन के नेशनल प्रेसिडेंट एवं वाइस प्रेसिडेंट योगेंद्र कुमार दहिया एवं सेपक टकराव फेडरेशन के कोच अंकित कुमार बालियान के असामाजिक निधन पर ये एएसटीएएफ सिंगापुर प्रेसिडेंट डटूक अब्दुल हलीम कादर, आईएसटीएएफ बैंकॉक,थाईलैंड प्रेसिडेंट भूनचाई लार्हपिपाट, साउथ एशिया सेपक टकराव फेडरेशन के अध्यक्ष प्रेमराज जी एवं सेपक टकराव फेडरेशन ऑफ इंडिया के जॉइंट सेक्रेटरी तथा प्रेसिडेंट तेलंगाना सेपक टकराव एसोसिएशन पेरिका सुरेश ने गहरा दुख जताते हुए कहा कि सेपक टकराव फेडरेशन के इन दोनों पदाधिकारी की असामयिक मौत से फेडरेशन को भारी आघात पहुंचा है। श्री सुरेश ने बताया कि योगेंद्र सिंह दहिया वर्ष 2017 से एशिया सेपक टकराव फेडरेशन के डिप्टी प्रेसिडेंट एवं इंटरनेशनल सेपक टकराव् फेडरेशन के अस्सिटेंट सेक्रेट्री जनरल के पद पर अपनी सेवा प्रदान कर रहे थे। अंकित कुमार दहिया एशियाई सेपक टकराव एवं इंडियन सेपक टकराव फेडरेशन के सफल कोच के रूप में ख्याति प्राप्त थे। पेरिका सुरेश ने बताया कि फेडरेशन के दोनों पदाधिकारी मिलनसार एवं व्यवहार कुशल थे तथा इन्होंने सेपक टकराव जैसे खेल को पहचान दिलाने तथा इस खेल को जन-जन तक पहुंचने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई थी। उन्होंने कहा कि इन दोनों के असामयिक दर्दनाक मौत से सेपक टकराव फेडरेशन सदमे में है। श्री सुरेश ने कहा कि सेपक टकराव जैसे खेल को नई दिशा देने में इन दोनों के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए ईश्वर से प्रार्थना की की इन दोनों महान विभूतियों को भगवान अपने श्री चरणों में स्थान दें।

सोनबील के विकास के लिए सांसद कृपानाथ माल्लाह की सक्रिय पहल, फाकुआवासियों ने रेलवे विभाग को सौंपा स्मारक पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- दक्षिणी असम के श्रीभूमि जिले में स्थित एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील 'सोनबील' के समग्र विकास की दिशा में स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक लगातार प्रयासरत हैं। इसी क्रम में, फाकुआ क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों ने दिनांक 3 नवंबर को रेलवे विभाग के महाप्रबंधक (जीएम) को एक स्मारक पत्र ईमेल के माध्यम से भेजा। इस पत्र में क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास और पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए फाकुआ रेलवे स्टेशन पर गौहाटी-दुल्लभछड़ा एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की गई। स्मारक पत्र में उल्लेख किया गया है कि फाकुआ क्षेत्र में लगभग 65 गाँवों में एक लाख से अधिक की जनसंख्या निवास करती है। यह क्षेत्र 'सोन बील' झील के किनारे स्थित है, जिसकी लंबाई 12.5 किलोमीटर, चौड़ाई 3.9 किलोमीटर तथा औसत गहराई 15 फीट है। मत्स्य पालन यहाँ की प्रमुख आजीविका है, जबकि झील की प्राकृतिक सुंदरता के कारण यह पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या और स्थानीय युवाओं की रोजगार आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, श्रीभूमि के सांसद कृपानाथ माल्लाह ने गत 14 अक्टूबर को गुवाहाटी के मलिगांव स्थित रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय में एक विशेष बैठक की थी। बैठक में सांसद ने सोन बील क्षेत्र में पर्यटक सुविधाओं के विकास, रेलवे संपर्क बढ़ाने और फाकुआ स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव की मांग को प्रमुखता से उठाया।

पुरानी रंजिश के चलते मारपीट का आरोप

ललितपुर। थाना बार अंतर्गत ग्राम भैलोनी सूबा निवासी कीरत पुत्र रग्गू अहिरवार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 1 नवम्बर की रात करीब 09 बजे वह पुराने घर में पूजा कर रहा था। तभी परिवार के विशाल पुत्र गजराज, आकाश पुत्र वीरन, मेहरबान पुत्र संतराम, वीरन पुत्र हरीराम एक राय होकर आए और पुरानी रंजिश को लेकर गालियां देने लगे। मनाक करने पर उक्त लोगों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। पीड़ित का आरोप है कि उक्त लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

केंटकी में भयानक विमान हादसा: उड़ान भरते हुए आग के गोले में बदला प्लेन, सात की मौत और कई घायल

अमेरिका के केंटकी राज्य के लुईविल एयरपोर्ट पर उड़ान भरते समय एक कार्गो प्लेन क्रैश हो गया, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए, जिसकी शुरुआती वजह प्लेन में रखी लिथियम बैटरियाँ बताई जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका के केंटकी राज्य के लुईविल एयरपोर्ट पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां, होनोलूलू के लिए उड़ान भरते समय एक कार्गो प्लेन क्रैश हो गया, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 11 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। गवर्नर ने मरने वालों की संख्या की पुष्टि करते हुए, इस आंकड़े के और बढ़ने की आशंका जताई है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफ) के अनुसार, बीती शाम लगभग 5:15 बजे लुइसविल के मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से होनोलूलू के लिए उड़ान भरते समय यह विमान दर्घटनाग्रस्त हो गया।

आग के गोले में बदला प्लेन

इस घटना के कई भयानक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में क्रैश से पहले विमान के बाएं पंख पर आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। आग की लपटों के कारण धुआं उठा, जिसके बाद विमान रनवे से थोड़ा ऊपर उठा और फिर उसमें जोरदार विस्फोट हो गया। विस्फोट के कारण विमान कुछ ही पलों में एक बड़े आग के गोले में बदल गया और चारों तरफ काला धुआं फैलने लगा। विमान फटने से पहले इतना भयानक धमाका हुआ कि रनवे के पास स्थित एक इमारत की छत भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। विमान में लगी आग तेजी से आसपास के इलाके में फैलने लगी। वायरल वीडियो में चारों तरफ फैली हुई तेज आग और विमान का मलबा भी नजर आ रहा है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का हुआ ऐलान, ऋषभ पंत की हुई वापसी

● साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है. कई स्टार खिलाड़ी की वापसी हुई है. टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत को मौका मिला है, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा का पत्ता साफ हो गया है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

India vs South Africa: साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है. टीम में स्टार खिलाड़ी ऋषभ पंत की वापसी हुई है. उनके अलावा टीम में स्टार तेज गेंदबाज की भी वापसी हुई है. पंत, इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच में चोटिल हो गए थे. टेस्ट सीरीज के अलावा साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी भारतीय A टीम का ऐलान हो गया है. भारत A टीम की कमान तिलक वर्मा को दी गई है।

आकाशदीप को मिला मौका

2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए नियामित कप्तान शुभमन गिल ही जिम्मेदारी संभालेंगे, जिन्होंने इंग्लैंड में और वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई घरेलू सरजमीं पर कमाल की कप्तानी की थी. वहीं, अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर टेस्ट सीरीज के लिए भी गिल पर भरोसा जताया गया है।

आकाशदीप को भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय दल में चुना गया है. हालांकि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं थे. उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा की जगह मौका मिला है।

2 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से गुवाहटी में खेला जाएगा।

टीम इंडिया का स्क्वाड

शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाशदीप।

विवादों में घिरी सनी देओल की फिल्म 'सूर्या', एक्टर ने प्रोड्यूसर्स पर लगाए ये आरोप

● अभिनेता सिद्धार्थ शर्मा ने फिल्म सूर्या के मेकर्स पर कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों को नहीं मानने का आरोप लगाया है. उन्होंने प्रोड्यूसर्स को इस मामले में लीगल नोटिस भी भेजा है. सूर्या में सनी देओल लीड रोल में हैं. अब फिल्म विवादों में घिरती दिख रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सनी देओल स्टारर फिल्म 'सूर्या' विवादों में आ गई है. अभिनेता सिद्धार्थ शर्मा ने इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स पर जानबूझकर कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन का आरोप लगाया है और उन्हें लीगल नोटिस भी भेज दिया है. सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर अपना बयान शेयर किया और कहा कि प्रोड्यूसर्स एग्रिमेंट की शर्तों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं प्रोड्यूसर के साथ सिद्धार्थ के विवाद की खबर आने के बाद अब सनी देओल की 'सूर्या' विवाद में फंस गई है. अपने बयान में उन्होंने कहा कि फिल्म के प्रोड्यूसर्स कमल मुकुट, सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और दीपक मुकुट आर्टिस्ट एग्रिमेंट में लिखी गई कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों का पालन करने में लगातार नाकाम हुए हैं।

सिद्धार्थ शर्मा का पोस्ट

सिद्धार्थ शर्मा ने इंस्टाग्राम पर लिखा है, 'मैंने हिंदी फिल्म सूर्या के प्रोड्यूसर्स को जानबूझकर और लगातार आर्टिस्ट एग्रिमेंट के तहत बने कॉन्ट्रेक्ट शर्तों का उल्लंघन करने के मामले में प्रोड्यूसर्स को लीगल नोटिस भेजा है.' अपने इस पोस्ट में उन्होंने इस मामले में शामिल सभी पक्षों को टैग भी किया है, जिसमें जी म्यूजिक कंपनी और जी स्टूडियोज़ भी शामिल है।

सिद्धार्थ ने इंडियन कॉन्ट्रैक्ट एक्ट के धारा 37, 39, 73,और 74 के तहत ये नोटिस भेजा है. सिद्धार्थ ने इसमें कहा है कि उन्होंने कई बार प्रोडक्शन हाउस के सामने मुद्दा उठाया, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया. इसलिए उन्हें कानूनी कदम उठाने पड़े हैं. उन्होंने ये भी कहा है कि अगर प्रोड्यूसर्स मामले में सही एक्शन नहीं लेंगे तो वो आगे भी कानूनी कार्यवाही करेंगे।

सनी देओल के पास हैं कई फिल्में

फिल्म सूर्या जी म्यूजिक कंपनी और जी स्टूडियोज़ के तले बनाई जा रही है. फिल्म लंबे वक्त से अटकी हुई थी. रिपोर्ट के मुताबिक इसी साल सितंबर में सनी देओल ने इस फिल्म के क्लाइमैक्स की शूटिंग शुरू की थी. इसकी शूटिंग 2022 में शुरू हुई थी. दीपक मुकुट ने बताया था कि वो रवि किशन और मनीष वाधवा के साथ फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं. ये फिल्म 2026 की शुरुआत में रिलीज़ हो सकती है. सनी देओल के पास इस वक्त कई फिल्में हैं, जिनमें बॉर्डर 2, लाहौर 1947 और रामायण 1 और रामायण दो जैसी फिल्में शामिल हैं।

महिला क्रिकेट विश्व कप- 2025 की हीरो: डीएसपी दीप्ति शर्मा का दमदार प्रदर्शन, यूपी पुलिस को गर्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

यूपी पुलिस की डीएसपी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन से देश का मान बढ़ा दिया है। बता दें कि दीप्ति शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 52 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसके बाद उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने उन्हें बधाई संदेश भेजा है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा गया कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर दीप्ति ने 215 रन बनाए और 22 विकेट हासिल किए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार भी दिया गया है। गौरतलब है कि जनवरी 2025 में उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'कुशल खिलाड़ी योजना' के तहत खेल कोटे में डीएसपी नियुक्त किया गया था।

फाइनल मैच में दीप्ति ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वे विश्व कप के किसी भी नॉकआउट मुकाबले में अर्धशतक जमाने और पांच विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बनीं, चाहे वह पुरुष हों या महिला क्रिकेटर। दीप्ति ने 54 रन की पारी खेली और 5 विकेट लेकर 39 रन दिए, जिससे भारत का 298/7 का स्कोर दक्षिण अफ्रीका के लिए असंभव चुनौती साबित हुआ।

आगरा की रहने वाली 28 वर्षीय दीप्ति ने मैच के बाद पीटीआई से कहा कि यह उनके करियर का सबसे खास पल है। उन्होंने कहा, 'पहले मैच से ही मेरा लक्ष्य था कि एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर टीम को हर हाल में

योगदान दूं। फाइनल में इस तरह का प्रदर्शन करना और ट्रॉफी उठाना, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।' देश के लिए लंबे समय बाद आई इस जीत पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'हमने कई साल इंतज़ार किया, लेकिन जो भगवान ने लिखा है वही होता है। शायद ये जीत भारत की धरती पर ही होनी थी। ' दीप्ति शर्मा की इस उपलब्धि ने न सिर्फ भारतीय क्रिकेट में एक नया अध्याय जोड़ा है, बल्कि यूपी पुलिस के लिए भी यह गर्व का क्षण साबित हुआ है।